वर्ष : 17 ❖ अंक : 312 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
मंगलवार, 20 जून 2023

देश को यूनिफॉर्म सिविल कोड की जरूरत : सीएम धामी 3

भारत ने लेबनान को हराकर दूसरी बार जीता इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल 8

बारिश से पाकिम व सोरेंग जिलों में भारी नुकसान

विधायक डीटी लेप्चा व मंत्री एमएन शेरपा के साथ अधिकारियों ने किया स्थलगत निरीक्षण

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम/सोरेंग, 19 जून । सिक्किम में पिछले कई दिनों से जारी भारी बारिश एवं भूस्खलन से प्रभावित पाकिम एवं सोरेंग जिलों के विभिन्न इलाकों का आज राज्य के मंत्री समेत डीसी एवं अन्य अधिकारियों ने दौरा कर परिस्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से नुकसान का आकलन कर प्रभावितों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पाकिम जिलाध्यक्ष श्रीमती लादेन ल्हामू भूटिया, डीसी ताशी चोफेल, एवं नाथांग माचोंग विधायक डीटी लेप्चा ने अन्य अधिकारियों के साथ आज जिले के चोचेन से रोलेप और अन्य क्षेत्रों में जाकर आपदा प्रभावित इलाकों का व्यापक निरीक्षण किया।

इस दौरान, विधायक लेप्चा और डीसी चोफेल ने नुकसान का निरीक्षण करने के बाद प्रभावितों से बातचीत कर उनकी शिकायतें सुनीं और उन्हें तत्काल सहायता प्रदान किये जाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर निवासियों ने अधिकारियों के सामने विधायक से अपनी समस्याओं को रखा। इस पर विधायक, डीसी एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान हेतु अपनी प्रतिबद्धता जतायी।

इस निरीक्षण के पश्चात यह दल रोलेग रंगली गया जहां नदी तट पर व्यापक भूस्खलन के कारण घरों एवं सड़कों को काफी नुकसान हुआ है। वहां सड़क व पुल विभाग के अभियंता नवीन गुरुंग ने नुकसान पर प्रकाश डाला। वहां निरीक्षण दल ने पाया कि रंगपो नदी के बहाव में ठेक इलाके में एक पुराना पुल बह गया है, जिससे स्थानीय लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाई हो रही है। इस पर संबंधित विभागीय अधिकारियों ने उन्हें ठेकेदार को सड़क एवं नये पुल के निर्माण शुरू करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने का आश्वासन दिया। वहां से निरीक्षण दल एनएचआईडीसीएल सड़क निर्माण परियोजना की समीक्षा करने हेतु लामाटेन और लासिंग के लिए रवाना हो गया।

इससे पहले, लातुक ठेक से शुरू हुए इस निरीक्षण में अधिकारियों ने पाया कि वहां लगातार बारिश और भूस्खलन से काफी नुकसान हुआ है। इलाके में खराब मौसम के कारण सड़कें अवरुद्ध हैं और उनके कई हिस्से उखड़े हुए हैं। वहां एक पशु शेड को हुए नुकसान को देखते हुए उसके मालिक को तुरंत अनुग्रह राशि का चेक भी दिया गया। इस निरीक्षण दल में शिक्षा सलाहकार इंचुंग भूटिया, पाकिम एसडीएम, रंगली एसडीएम, डीएफओ (टी), रेगु बीडीओ, पराखा बीडीओ एवं अन्य अधिकारीगण शामिल रहे।

दूसरी ओर, सोरेंग जिलान्तर्गत दरमदीन निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न आपदा प्रभावित इलाकों में आज दरमदीन विधायक सह राज्य के बिजली व परिवहन मंत्री एमएन शेरपा और जिला कलेक्टर सह जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष भीम ठटाल ने दौरा किया। इस दौरान, मंत्री शेरपा ने संबंधित पंचायतों एवं अधिकारियों को इलाके के लोगों के घरों, जमीन और पशुओं सहित अन्य संपत्तियों को हुए नुकसान की पहचान एवं सत्यापन कर शीघ्रता से जिला कलेक्टर को अंतरिम रिपोर्ट देने को कहा। साथ ही उन्होंने नुकसान के आकलन और डेटा संकलन में अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को भी लगाने की बात कही। इसके अतिरिक्त, मंत्री ने नुकसान की रोकथाम हेतु सभी आवश्यक सहायता और त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने मानसून के दौरान आने वाले दिनों में और अधिक नुकसान की संभावना जताते हुए लोगों और हितधारकों से अधिक सतर्कता बरतने को कहा।

वहीं, डीसी ठटाल ने इस दौरान आपदा के समय सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वालों के रूप में आपदा मित्रों सहित अन्य समुदाय की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए जिम्मेदार राजस्व सर्वेक्षकों को निजी एवं सरकारी दोनों संपत्तियों को हुए नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने संपर्क व्यवस्था में किसी भी बाधा से बचने हेतु अस्थायी व्यवस्था उपलब्ध कराने का आश्वासन देते हुए प्रभावित और भूस्खलन की संभावना वाले क्षेत्रों में रह रहे परिवारों को तत्काल जगह खाली करने का भी निर्देश दिया।

इस दौरान, निरीक्षण दल ने भूस्खलन प्रभावित सालंगडांग के एनटीपीसी साइट का भी निरीक्षण किया। वहां एनटीपीसी के परियोजना कार्यकारी निदेशक सतीश उपाध्याय ने दल को नुकसान के बारे में जानकारी दी और साइट के नियमित कामकाज के बारे में अपनी समस्याओं को बताया। इस निरीक्षण दल ने आज कटारबोटे, सालंगडांग में आईआरबी कैम्प, लोअर तिकपुर और ओखरे का दौरा किया।

सरकार को मिल रहे समर्थन से परेशान हैं विपक्षी : अरुण उप्रेती

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । सिक्किम में विभिन्न विपक्षी पार्टियों से लोगों एवं पूर्व नौकरशाहों का सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी में शामिल होने का सिलसिला जारी है। आज इसी कड़ी में नामफिंग बर्मेक विधानसभा के पूर्व अतिरिक्त विक्रय कर आयुक्त सामनाथ अधिकारी के अलावा तीन अन्य लोगों ने एसकेएम का दामन थाम लिया। इस अवसर पर यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एसकेएम महासचिव एवं राज्य विधानसभा अध्यक्ष अरुण उप्रेती ने इनलोगों को पार्टी के झंडे और डायरियां भेंट कर स्वागत किया।

एसकेएम प्रचार शाखा की ओर से कहा गया है कि एसकेएम सरकार की नीतियों व सिद्धांतों के साथ-साथ मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के कुशल नेतृत्व में राज्य में किए गए विकास कार्यों से प्रभावित होकर आज राज्य के विभिन्न हिस्सों से पार्टी में शामिल हो रहे हैं। आज एसकेएम पार्टी में शामिल होने वालों में सोमनाथ अधिकारी के अलावा स्यारी से ताशी प्रधान, बुर्तुक निवासी भीम छेत्री और अरूणा दर्नाल शामिल हैं।

इस अवसर पर पार्टी महासचिव अरुण उप्रेती ने कहा कि राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की गरीब समर्थक सोच और सार्थक विचारों से प्रभावित होकर ही वर्तमान में ढेरों लोग एसकेएम पार्टी में शामिल हो रहे है। मौजूदा राज्य सरकार को गरीबों की हितैषी बताते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों को देखते हुए उसे मिल रहे अपार जन समर्थन से परेशान होकर विपक्षी दल अनावश्यक (शेष पृष्ठ ०३ पर)

ग्वाला दिवस के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित

मधु शर्मा

गेजिंग, 19 जून । आगामी एक जुलाई को दिन सम्पन्न होने जा रहे ग्वाला दिवस को लेकर जोरथांग कर्फेकटार में पहली सभा का आज आयोजन किया गया।

वर्तमान सिक्किम क्रान्तिकारी मोर्चा पार्टी की सरकार ने ग्वाला दिवस की शुरुआत की गई थी। आज जोरथांग स्थित कार्फेक्टार में सिक्किम सरकार के कृषि, बागवानी, पशुपालन तथा श्रम विभाग के मंत्री लोक नाथ शर्मा की अध्यक्ष में बैठक सम्पन्न हुई। इसमें सिक्किम मिल्क यूनियन के अध्यक्ष याम कुमार मिश्र, जोरथांग नगर पंचायत के अध्यक्ष पवित्र मानव, पशुपालन विभाग के सचिव डॉ. पी कुमार सेन्थिल मिल्क यूनियन के अधिकारी, पशुपालन विभाग के अधिकारी किसान मोर्चा के प्रतिनिधि और बोर्ड आफ डाइरेक्टर के साथ ही अन्य की उपस्थिति रही।

इस वर्ष का ग्वाला दिवस दक्षिण सिक्किम के जोरथांग सामुदायिक खेल मैदान में आयोजित किया जाएगा।

आज की सभा में निर्णय लिया गया कि इसके लिए विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियों का हस्तान्तरण किया गया। पुन: दूसरी सभा 26 जून को जोरथांग खेल मैदान में संपन्न होने की जानकारी देते हुए मंत्री श्री शर्मा ने उपस्थित सभी लोगों से शिक्षित युवाओं को कृषि का पेशा और फार्म की ओर अभिप्रेरित करने का सुझाव दियया।

उन्होंने कहा कि भविष्य में क्या खाएं यह चिंता का विषय बन रहा है, इसलिए कृषि पेशा को आत्मसात कर आगे बढ़ना जरूरी है। सभा में सभी उपस्थित अधिकारियों ने भी अपने सुझाव दिए।

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रधन को मिलेगा कंचनजंगा कलम पुरस्कार

प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम के स्थापना दिवस पर अन्य कई हस्ती होंगे सम्मानित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम ने अपने 21वें स्थापना दिवस समारोह में कंचनजंगा कलम पुरस्कार के अलावा पत्रकारिता क्षेत्र से जुड़े कई पत्रकारों एवं अन्य शख्सियतों को सम्मानित करने का फैसला किया है। प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम की कार्यकारी समिति की आज यहां हुई बैठक में इन पुरस्कारों और सम्मानित किए जाने वाले लोगों के नामों को घोषणा की गई। गौरतलब है कि प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम आगामी 17 जुलाई को अपने 21वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन करने जा रहा है।

प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम के प्रचार सचिव होमनाथ दवाड़ी ने बताया कि क्लब ने इस वर्ष प्रतिष्ठित कंचनजंगा कलम पुरस्कार से वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रधान को सम्मानित करने का फैसला किया है। राजेंद्र प्रधान ने 996 में सिलीगुड़ी से प्रकाशित होने वाले नेपाली दैनिक समाचार-पत्र आजभोली से पत्रकारिता की शुरुआत की थी। वर्तमान में वह गंगटोक से प्रकाशित होने वाले दैनिक समाचार-पत्र हिमाली बेला में एसोसिएट एडिटर के रूप में कार्यरत हैं। ऐसे में लंबे समय तक नेपाली पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए ही प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम ने उन्हें कंचनजंगा कलम पुरस्कार देने का फैसला (शेष पृष्ठ ०३ पर)

पवन चामलिंग आज भी जनता को हेय की दृष्टि से देखते हैं : बिरेंद्र तामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 19 जून । एसडीएफ अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग के जनता भेंट कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री पीएस गोले पर किए गए हमले के जवाब में एसकेएम के प्रचार प्रसार प्रभारी उपाध्यक्ष बिरेंद्र तामलिंग ने उनपर पलटवार किया है।

बिरेंद्र तामलिंग ने यहां एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि एसडीएफ पार्टी के अध्यक्ष एवं विधायक पवन चामलिंग अपने कार्यकाल के दौरान जनता से मिलने का एक भी कार्यक्रम तय नहीं कर सके जिस कारण लोगों ने उन्हें ठुकरा दिया। अपनी असफलता से हतोत्साहित होकर वे मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के जनसभा कार्यक्रम पर हमला बोल रहे हैं।

बिरेंद्र तामलिंगने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चामलिंगने यह कहा कि सीएम गोले चुनाव को देखते हुए जनता से मुलाकात कर रहे हैं। पवन चामलिंग को पता होना चाहिए कि माननीय मुख्यमंत्री गोले ने विगत वर्षों में भी जनसभा कार्यक्रमों का आयोजन कर लोगों की समस्याओं को सुना और उसका समाधान किया था। पिछले वर्षों में जब मुख्यमंत्री छुजाचेन, जंगू, नामचेबुंग, रेनक, नाथंग-माचोंग, मल्ली, नामची सिंगिथांग आदि में लोगों से मिले, तो पवन चामलिंग किस दुनिया में थे।

जनता भेंटघाट कार्यक्रम एसकेएम पार्टी और माननीय मुख्यमंत्री के लिए ग्रामीण और तृणमूल स्तर के लोगों से सीधे मिलने और उनकी समस्याओं और शिकायतों को हल करने का एक आसान तरीका है। मुख्यमंत्री ने

जिन-जिन समुदायों के लोगों से मुलाकात कर समस्याओं का समाधान किया है, उन सभी समुदायों के (शेष पृष्ठ ०३ पर)

कर्नाटक में सांप्रदायिक हिंसा पड़ितों के परिवार को मिले 23 लाख रुपये, सीएम सिद्धारमैया ने की नौकरी की घोषणा

बेंगलूरू, 19 जून (एजेन्सी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को 2018 के बाद से सांप्रदायिक घटनाओं में मारे गए छह लोगों के परिवारों को मुआवजा के तौर पर 25 लाख रुपये का चेक दिया और उनके परिवारों को नौकरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करेंगे कि राज्य में इस प्रकार की असामयिक मौत नहीं हो।

सिद्धारमैया के अनुसार, दीपक राव (दक्षिण कन्नड़ जिला) की तीन जनवरी 2018 को हत्या कर दी गई थी, वहीं अन्य घटनाओं में मसूद (दक्षिण कन्नड़ जिला) 19 जुलाई 2022 को; मोहम्मद फाजिल (दक्षिण कन्नड़) 28 जुलाई 2022 को; अब्दुल जलील (दक्षिण कन्नड़) 24 दिसंबर 2022 को; इदरीश पाशा (मांड्या) 31 मार्च 2023 को और समीर (गदग) 17 जनवरी 2022 को मारे गए थे। इनमें से दीपक राव की हत्या तब हुई थी जब साढे पांच वर्ष पहले सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे, वहीं पांच अन्य लोगों की मौत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में हुई।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार राहत देते समय लोगों के बीच भेदभाव करती थी और उसने केवल प्रवीण नेत्तार एवं हर्ष के परिजन को मुआवजा दिया था।

नेत्तार दक्षिण कन्नड़ से भाजपा नेता थे और हर्ष बजरंग दल से जुड़े थे। सिद्धारमैया ने कहा कि जब प्रवीण नेत्तार की हत्या हुई थी तो तत्कालीन मुख्यमंत्री (बसवराज बोम्मई) उनके घर गए थे, जो सही था लेकिन उन्हें मसूद और फाजिल के घर भी जाना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में बोम्मई ने हर्ष और प्रवीण नेत्तार के परिवार के सदस्यों को नौकरी दी थी। यह ठीक है, लेकिन क्या दूसरों को नौकरी और मुआवजा नहीं दिया जाना चाहिए था? यह जानकर उन्हें आश्चर्य हुआ। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने छह पीड़ितों के परिजनों को कोई मुआवजा नहीं दिया। आज हम उनके परिवारों के साथ न्याय कर रहे हैं। साथ ही हम मामले की जांच करेंगे और अपराध में शामिल दोषियों को सजा सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने कहा कि विपक्ष के तत्कालीन नेता के तौर पर उन्होंने मारे गए मुस्लिमों के परिजनों को नौकरी और मुआवजे का प्रस्ताव कर्नाटक विधानसभा में दिया था, लेकिन भाजपा सरकार इसके लिए राजी नहीं हुई थी। सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद हम मारे गए छह लोगों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दे रहे हैं। हम उन्हें नौकरी भी देंगे क्योंकि सभी को समान रूप से देखा जाना चाहिए। सरकार को लोगों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। भाजपा के लोगों ने भेदभाव किया है। चीजों को सुधारने के लिए हम यह काम कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अपराध में शामिल दोषियों को सजा सुनिश्चित करने के लिए मामलों की जांच करवाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में सांप्रदायिक झगड़ों और नैतिक पुलिसिंग के खिलाफ भी लोगों को आगाह किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम राज्य के लोगों को यह स्पष्ट संदेश देना चाहते हैं। हम सभी की रक्षा करेंगे, चाहे वह हिंदू हों, मुस्लिम हों, ईसाई हों या सिख हों। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह सभी की, उनकी संपत्तियों और जीवन की रक्षा करे। कोई भेदभाव नहीं होगा।

पंचायत चुनाव के बाद आम जनता विजेता होगी : राज्यपाल

कोलकाता, 19 जून (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने सोमवार को कहा कि 8 जुलाई को होने वाले पंचायत चुनाव के बाद असली विजेता आम लोग होंगे।

राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस ने सोमवार को राजभवन में 'शांति कक्ष' के उद्घाटन के बाद कहा, 'चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होंगे और मतदान खत्म होने के बाद मतदान करने वालों को निराशा होगी।

गवर्नर हाउस राज्य में ग्रामीण निकाय चुनावों के पर सीधे नजर रखेगा।'

राज्यपाल ने शनिवार को दक्षिण 24 परगना जिले में कैनिंग की अपनी यात्रा से लौटने के बाद राजभवन में 'शांति कक्ष' खोलने का फैसला लिया।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पूरे सप्ताह के दौरान कैनिंग पंचायत चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया को लेकर छिटपुट झड़पों के बाद सुर्खियों में रहा है।

राजभवन के अधिकारियों द्वारा एक अधिसूचना भी जारी की गई है, जिसमें बताया गया है कि लोग टेलीफोन कॉल या ईमेल के माध्यम से 'शांति कक्ष' में सीधे हिंसा की घटनाओं की रिपोर्ट कर सकेंगे।

गवर्नर हाउस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में राज्यपाल के लगातार क्षेत्र के दौरे के क्रम में और और चुनाव पूर्व बंगाल में आपराधिक धमकी पर नागरिकों से प्राप्त कई अभ्यावेदन को देखते हुए जनता की शिकायतों का जवाब देने के लिए राजभवन में एक सहायता कक्ष खोला गया है।

इसमें एक ईमेल आईडी और 24 गुणा 7 फोन नंबर भी दिया गया है, जिसके जरिए आम लोग हिंसा की घटनाओं की जानकारी राजभवन को दे सकेंगे।

हाल ही में राज्यपाल ने हिसा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में 'लोकतंत्र में गिरावट' देखी गई है। उनके इस बयान पर सत्तारूढ़ टीएम ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

झारखंड में नया सियासी उभार, जयराम महतो ने किया नई राजनीतिक पार्टी 'जेबीकेएसएस' के गठन का ऐलान

रांची, 19 जून (एजेन्सी)। झारखंड के धनबाद में रविवार की दोपहर 44 डिग्री तापमान के बीच बलियापुर हवाई पट्टी मैदान में जुटी तकरीबन 60 से 70 हजार की भीड़ ने राज्य की सियासत में एक हलचल पैदा कर दी।

धनबाद में ये भीड़ उन छात्र-युवा नेताओं के आह्वान पर जुटी थी, जो राज्य में पिछले तीन सालों से भाषा, डोमिसाइल, नौकरी-रोजगार के सवालों पर आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं। इस आंदोलन से उभरे सबसे बड़े नेता जयराम महतो ने राज्य के कई जिलों से जुटे छात्रों-युवाओं की भीड़ के बीच एक नई राजनीतिक पार्टी 'झारखंडी भाषा-खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस)' के गठन का ऐलान किया। उपस्थित भीड़ ने ध्वनिमत से जयराम महतो को ही पार्टी का नया अध्यक्ष चुना। धनबाद के तोपचांची इलाके के निवासी जयराम महतो राज्य भर में 'युवा टाइगर' के नाम से जाने जाते हैं।

जयराम महतो की अगुवाई वाली नई पार्टी ने आने वाले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

जयराम कहते हैं, शहीदों के अरमानों का झारखंड आज तक नहीं बन पाया है। हमारी पार्टी 1932 के खतियान पर आधारित डोमिसाइल और रिक्रूटमेंट पॉलिसी को लागू कराने तक चुप नहीं बैठेगी।

दरअसल, झारखंड दशकों से क्षेत्रीयता की राजनीति की प्रयोगशाला रहा है। यहां के क्षेत्रीय-स्थानीय मुद्दों को लेकर कई पार्टियां और मोर्चे बनते रहे हैं। छात्रों-युवाओं की इस नई पार्टी को राज्य में एक नए सियासी उभार के तौर पर देखा जा रहा है।

पिछले तीन सालों में झारखंड की प्रतियोगी परीक्षाओं में स्थानीय भाषाओं और 1932 के खतियान पर आधारित डोमिसाइल को लेकर लगातार आंदोलन चल रहा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाली सरकार ने खुद राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर 1932 के खतियान पर आधारित डोमिसाइल और रिक्रूटमेंट पॉलिसी का बिल पारित किया था। कुछ महीने बाद ही झारखंड हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया।

इसके बाद से इस मुद्दे पर राज्य सरकार बैकफुट पर है। लेकिन, जयराम महतो, देवेंद्र नाथ महतो, मनोज यादव सहित कुछ अन्य छात्र-युवा नेताओं की अगुवाई वाले संगठन इसे लेकर लगातार आंदोलन करते रहे।

इन संगठनों ने पिछले छह महीने में कम से कम दो बार विधानसभा घेराव किया। तीन बार झारखंड बंद बुलाया। राज्य के अलग-अलग इलाकों में दो दर्जन से भी ज्यादा सभाएं हुईं।

जयराम महतो ने 50 से ज्यादा जनसभाएं की और हर सभा में हजारों की तादाद में लोग जुटे। यह युवा नेता सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं। उनके भाषणों के सैकड़ों वीडियो को यू-ट्यूब और फेसबुक पर काफी व्यूज मिले। तमाम चैनल्स और अखबारों में उनके इंटरव्यू भी दिख रहे हैं।

अब यह मान लिया गया है कि राज्य में क्षेत्रीय राजनीति का एक और नया कोण बन गया है। झारखंड में राजनीति के जो जातीय समीकरण हैं, वह भी जयराम महतो के कद और प्रभाव को विस्तार देने वाले हैं।

वह कुर्मी जाति से आते हैं और राज्य की राजनीति में इस जाति को आदिवासियों के बाद सबसे ज्यादा प्रभावी माना जाता है। आने वाले चुनावों में यह नई पार्टी क्या कुछ कर पाएगी, यह तो भविष्य ही बताएगा। लेकिन, इतना जरूर है कि इस नए सियासी उभार ने राज्य की स्थापित पार्टियों की टेंशन जरूर बढ़ा दी है।

कृषि विश्वविद्यालयों में बनेंगे टेस्टिंग लैब, जैविक व प्राकृतिक उत्पादों का होगा सत्यापन

लखनऊ, 19 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद द्वारा किसानों के हित का ध्यान रखते हुए किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। मंडी शुल्क को न्यूनतम करने के बाद भी राजस्व से संग्रह में मंडियों का अच्छा योगदान है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में जहां 614 करोड़ रुपये की आय हुई, वहीं 2022-23 में 1520.95 करोड़ रुपये की आय हुई थी। वहीं वर्तमान वित्तीय वर्ष के पहले दो माह ने अब तक 251.61 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहीत हो चुका है। मंडी शुल्क न्यूनतम होने के बाद भी मंडियों से राजस्व संग्रह में हुई बढ़ोतरी सराहनीय है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 168वीं बैठक में कहीं।

इस मौके पर उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि फसलों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए गुणवत्ता पूर्ण रोपण सामग्री, बागवानी फसलों के गुणवत्ता पूर्ण रोपण एवं रोग मुक्त बनाने के लिए आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज (अयोध्या) में टिशू कल्चर प्रयोगशाला की स्थापना की जाए। यह प्रयोगशाला कम से कम 03 हेक्टेयर के विशाल परिसर में स्थापित हो। इसके लिए धनराशि की व्यवस्था मंडी परिषद द्वारा की जाएगी।

मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। वर्तमान में 05 विश्वविद्यालयों एवं 23 महाविद्यालयों में कृषि एवं गृह विज्ञान के विद्यार्थियों को 3000 रुपये मासिक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। योजना का लाभ अधिकाधिक युवाओं को मिले, इसके लिए इसमें कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बांदा, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी तथा 37 अन्य महाविद्यालयों को भी इसमें शामिल किया जाए।

जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के आउटलेट वर्तमान में मंडल मुख्यालय पर स्थापित हैं। इन्हें जिला मुख्यालय तक विस्तार देने की आवश्यकता है। मंडी समितियों में भी आउटलेट खोले जाएं। जैविक और प्राकृतिक बाजार लगवाएं। हमारे किसानों के जैविक और प्राकृतिक उत्पादों के सत्यापन, ब्रांडिंग के लिए लैब टेस्टिंग आवश्यक है। यद्यपि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, द्वारा लखनऊ, मेरठ, बनारस एवं झांसी में प्रयोगशालाएं संचालित हैं, लेकिन प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में कोई लैब संचालित नहीं है। ऐसे में मंडी परिषद द्वारा प्रदेश के सभी 04 कृषि विश्वविद्यालयों में टेस्टिंग लैब स्थापित किया जाए।

किसानों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए राज्य सरकार ने बड़ी संख्या में ग्रामीण हाट पैठ और आधुनिक किसान मंडियों का निर्माण कराया है। क्षेत्रीय जरूरतों के अनुसार नए हाट पैठ और किसान मंडियों का निर्माण कराया जाना चाहिए। इनका अच्छा मेंटीनेंस रखें। पटरी व्यवसायियों को यहां समायोजित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि मंडियों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो। जलभराव की स्थिति न हो। किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखें और कृषि फसल की सुरक्षा के अच्छे प्रबंध हों। शौचालय व पेयजल के पर्याप्त इंतज़ाम रखें।

यह सुखद है कि मंडी परिषद की सहायता से कृषि विश्वविद्यालयों में छात्रावासों का निर्माण कराया जा रहा है। इन छात्रावासों का निर्माण कार्य गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए समयबद्ध ढंग से पूरा कराया जाए। कृषि मंत्री द्वारा इन निर्माणाधीन छात्रावासों का निरीक्षण किया जाए।

विभिन्न जनपदों में कृषि उत्पादन मंडी परिषद की भूमि व भवन निष्प्रयोज्य हैं। इस भूमि व भवन के व्यवस्थित इस्तेमाल के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जाए। इस प्रकार परिषद अपनी आय का एक नवीन विकल्प भी सृजित कर सकता है।

उन्होंने कहा कि कृषि और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा अनेक नीतिगत प्रयास किए जा रहे हैं। प्राकृतिक खेती को प्रोत्सहित करने के लिए भी योजनाबद्ध रीति से कार्य किया जा रहा है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले, उत्पाद की ब्रांडिंग हो, सही बाजार मिले, इसके लिए राजधानी लखनऊ में 'एग्री मॉल' स्थापित किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यवाही तेजी से आगे बढाएं। एग्री मॉल में किसान सीधे अपने फल, सब्जियों की बिक्री कर सकेंगे।

मंडी परिषद द्वारा नवी मुंबई में निर्यात प्रोत्साहन हेतु वर्ष 2006 में स्थापित किये गये ऑफिस ब्लॉक को और उपयोगी बनाने के लिए इसे एमएसएमई विभाग से जोड़ा जाना चाहिए।

यूपीए सरकार की तुलना में मोदी सरकार ने दी ज्यादा नौकरियां : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। बेरोजगारी के आंकड़े को लेकर विपक्षी दलों की तरफ से लगातार राजनीतिक हमलों का सामना कर रही मोदी सरकार की तरफ से पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने दावा किया है कि पिछले 9 सालों के दौरान मोदी सरकार ने यूपीए सरकार की तुलना में ज्यादा लोगों को नौकरियां दी है।

भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि यूपीए सरकार के पहले 9 वर्ष के दौरान 6,02,045 भर्तियां की गईं। जबकि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 9 वर्षों के दौरान 8,82,191 भर्तियां की गईं। नौकरियों के गणित और गुणवत्ता, दोनों ही मामलों में मोदी सरकार, यूपीए सरकार की तुलना में कई गुना ज्यादा बेहतर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने नौकरियों के बारे में विस्तार से बताते हुए दावा किया कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में 2004 से 2013 के दौरान एसएससी द्वारा 2,07,563 भर्तियां की गई थी। जबकि, मोदी सरकार के 9 वर्षों के दौरान 4,00,691 भर्तियां की गई है। इसी तरह से यूपीए सरकार ने यूपीएससी के द्वारा 45,431 नौकरियां दी थी। जबकि, मोदी सरकार में यह संख्या बढ़कर 50,906 पहुंच गई।

उन्होंने आगे कहा कि यूपीए सरकार ने आरआरबी के द्वारा 3,47,251 नौकरियां दी थी। लेकिन, मोदी सरकार ने आरआरबी के जरिए इससे कहीं ज्यादा यानी 4,30,594 लोगों को नौकरियां दी है।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री ने पेंशन, कर्मचारियों की क्षमता वृद्धि, कर्मचारी कल्याण, भ्रष्टाचार मुक्त नियुक्ति प्रक्रिया, अच्छे और ईमानदार कर्मचारियों को बढ़ावा देने और शिकायतों के उचित निवारण की व्यवस्था का दावा करते हुए यह भी यह भी जोड़ा कि भारत में ग्रीवांस सेल में जहां एक साल में पूरे देश से सिर्फ 2 लाख शिकायतें दर्ज होती थीं। अब इसको कंप्यूटराइज्ड कर, पांच दिन के अंदर ही शिकायतों का निवारण करने की व्यवस्था बनाई गई है और इसकी वजह से आज सालाना देश भर से करीब 5 लाख तक शिकायतें दर्ज हो रही हैं।

उन्होंने स्टार्टअप्स से जुड़ी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को जागरूक किया कि रोजगार का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी ही नहीं है और इसका परिणाम यह हुआ है कि आज देश में स्टार्टअप्स की संख्या 350 से बढ़कर 1 लाख हो चुकी है। इसके साथ ही 'अरोमा मिशन' के तहत 3 हजार एग्रीटेक स्टार्टअप भी शुरू हो चुके हैं।

बीएमसी के तीन साल के खर्चों में अनियमितता की होगी जांच, महाराष्ट्र सरकार ने गठित की एसआईटी

मुंबई, 19 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र सरकार ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के खर्चों में कथित अनियमितता की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त और दो वरिष्ठ अधिकारी इस जांच दल का नेतृत्व करेंगे। महाराष्ट्र सरकार ने यह कदम नियंत्रण एवं लेखा परीक्षक (कैग) के संकेत देने के बाद उठाया है, जिसमें नवंबर 2019 से अक्तूबर 2022 के दौरान बीएमसी की ओर से किए गए खर्च में 12,024 करोड़ रुपये की अनियमितता की बात कही गई थी।

भाजपा विधायक अमित साटम ने भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस बारे में औपचारिक शिकायत की थी और जांच के लिए एसआईटी गठित करने की मांग की थी। इससे पहले, इस साल मार्च में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधानसभा के पटल पर कैग की रिपोर्ट को रखा था। कैग की रिपोर्ट में कई अनियमितताओं का जिक्र किया गया था। इसके बाद फडणवीस ने रिपोर्ट के कुछ बिंदुओं को सदन में रखा था।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को शिवसेना के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शुभकामनाएं दी। उन्होंने ठाणे जिले के कल्याण में भाजपा की जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा और मोदी के नाम पर वोट लेने के बाद सबसे पहले उद्धव ने गद्दारी की। इसलिए उन्हें शिंदे गुट के विधायकों को गद्दार कहने का कोई अधिकार नहीं है। उद्धव को हमेशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का भय लगा रहता है। उन्हें कोरोना काल में हुए 12000 करोड़ के घोटाले का हिसाब देना पड़ेगा।

सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने गहलोत सरकार पर लगाया 20 हजार करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप

जयपुर, 19 जून (एजेन्सी)। राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल मीणा ने सोमवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया। प्रेसवार्ता के दौरान किरोड़ीलाल मीणा ने राजस्थान में जल जीवन मिशन के तहत पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल और पीएचईडी मंत्री महेश जोशी के खिलाफ बीस हजार करोड़ रुपये के घोटालों का गंभीर आरोप लगाया। मीणा ने कहा, पीएचईडी विभाग द्वारा प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत अपनी चहेती दो फर्मों गणपति ट्यूबवेल कंपनी शाहपुरा और श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी शाहपुरा को विगत दो साल में फर्जी अनुभव प्रमाण पत्रों के आधार पर एक हजार करोड़ से अधिक के टेंडर जारी किए हैं।

सांसद मीणा ने कहा कि इन दोनों फर्मों ने भारत सरकार के उपक्रम इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के फॉरमेट की नकल करके उसी पर फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र तैयार करवाए। इसी के आधार पर पीएचईडी विभाग से कार्य आदेश प्राप्त कर लिए। इसमें अकेले गणपति ट्यूबवेल कंपनी ने दो साल में 900 करोड़ रुपये के कार्य आदेश पीएचईडी अधिकारियों से मिलीभगत के आधार पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्राप्त किए हैं। इस संदर्भ में इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने 22 मार्च 2023 और छह अप्रैल 2023 को पीएचईडी विभाग के अधिकारियों को ई-मेल के द्वारा इस फर्जीवाड़े के बारे में सूचित किया। लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत के चलते कोई कार्रवाई नहीं हुई।

वहीं, इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने विगत सात जून 2023 को अतिरिक्त मुख्य सचिव सुबोध अग्रवाल को भी पत्र लिखकर इस मामले की जानकारी दी। लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत के चलते इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस मामले के पूर्व के तथ्यों पर नजर डालने पर पता चला कि छह अक्टूबर 2021 से 24 नवंबर 2022 के मध्य 11 विभिन्न कार्यों के लिए 48 निविदाएं आमंत्रित की गई थी, जिनका कुल मूल्य लगभग दस हजार करोड़ रुपये था। इस दौरान नियमों की अवहेलना करते हुए निविदा प्रीमियम और राज्य के हिस्से की राशी को कम करने के उद्देश्य से प्रमुख परियोजना के 27 जलजीवन मिशन कार्यों की पेशकश री-बिड पर बातचीत करने का स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है। इसमें निविदा प्रीमियम नियमानुसार 10 फीसदी से अधिक पाए गए। इसके अलावा इन सभी संविदाओं में किसी तरह का कोई मोलभाव नहीं किया गया।

सभी निविदाओं में बिड से पहले साइट विजिट का प्रावधान रखा गया था, जिससे कि बिड करने वाली फर्मों को पूलिंग का मौका मिल गया। इन दोनों फर्मों को पूलिंग के चलते लागत तीस से चालीस प्रतिशत तक बढ़ाने का मौका मिल गया। इस तथ्य को पीएचईडी विभाग की फाईनेंस कमेटी ने स्वीकृत भी कर दिया। भारत सरकार के पैसे से जल जीवन मिशन चल रहा है, मगर नियमों में भारत सरकार की इजाजत के बिना भारत सरकार का पैसा बिना इजाजत नहीं खर्च कर सकती है। मगर राजस्थान सरकार बिना भारत सरकार से प्रस्ताव पास कराए, पैसे का बंदरबांट कर रही है।

इस दौरान यह भी सामने आया कि कई परियोजनाओं को पूरा करने की निर्धारित समय सीमा साल 2025 तक है, जो कि जल जीवन मिशन के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। क्योंकि समय सीमा के समाप्त होने के बाद परियोजनाओं को केंद्र से मिलने वाला अंश नहीं मिलेगा। परियोजनाओं का पूरा खर्च राज्य सरकार द्वारा ही वहन किया जाएगा। इन सभी के चलते परियोजनाओं के पूर्ण होने में अनावश्यक देरी हो रही है, जिससे कि जल जीवन मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति नहीं हो पा रही है। प्रदेश की आठ करोड़ जनता को उसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। मंगलवार को किरोड़ीलाल मीणा सीवीसी के राज्य के प्रतिनिधि को शिकायत सौंपेंगे और इस भ्रष्टाचार के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराएंगे।

हैदराबाद में पानी से भरी खदान में मिला आरटीआई कार्यकर्ता का शव, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 जून (एजेन्सी)। हैदराबाद में जमीनी विवाद मामले के तहत एक रिटायर्ड मंडल परिषद विकास अधिकारी और आरटीआई कार्यकर्ता के हत्या के मामले ने पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

70 वर्षीय नल्ला रामाकृष्णन का नाम तब सामने आया जब उनका शव उनके गायब होने के तीन दिन बाद रविवार को एक पानी से भरी खदान में मिला। पुलिस ने बताया कि रामाकृष्णम के बेटे ने उनके गायब होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी जी अंजैया के साथ रामाकृष्णन का जमीन के मुद्दे पर विवाद चल रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने हत्या के लिए एक गैंग को सुपारी दी थी। गैंग ने 15 जून को पोचन्नापेटा से रामाकृष्णन का अपहरण किया । उन्होंने पहले पीड़ित का गला दबाया और फिर शव को खदान जैसे तलाब में डाल दिया।

पुलिस ने रविवार को अंजैया और दो सुपारी किलर को गिरफ्तार किया है, बाकी आरोपियों की तलाश फिलहाल जारी है।

रामाकृष्णन ने अदालत में आरटीआई दायर की थी। अंजैया के खिलाफ उन्होंने पोचन्नापेटा गांव में सरकार द्वारा सौंपी गई भूमि से संबंधित पट्टे को रद्द करने के लिए मानवाधिकार आयोग से भी संपर्क किया था। हालांकि, इसके बाद से ही दोनों के बीच व्यक्तिगत दुश्मनी हो गई थी और अंजैया ने उन्हें मारने के लिए सुपारी गैंग की मदद ली।

पवन चामलिंग आज .....

लोगों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। पवन चामलिंग का अकेले ईर्ष्या से इस कार्यक्रम का विरोध करना सीधे तौर पर जनता का विरोध करना है।

बिरेंद्र तामलिंग ने कहा कि अपने 25 साल के शासन के दौरान प्रजा को दूर रखने वाले और अपने रूखे भाषण से प्रजा को परेशान करने वाले चामलिंग ने एक बार भी जनता से मिलने की जरूरत नहीं समझी। अब इस कार्यक्रम का विरोध कर उन्होंने खुद इस बात का सबूत दिया है कि पवन चामलिंग आज भी लोगों को पहले की तरह ही हेय दृष्टि से देखते हैं।

पवन चामलिंग बिल्ली और चूहे की कहानी सुनाकर खुद को याद दिलाने की कोशिश करते हैं कि वह बड़े हैं, लेकिन उन्हें याद रखना चाहिए कि यह कहानी उन्हीं पर सटीक बैठती है। उनका नकाब उतर गया है। इसलिए जनता ने उन्हें खारिज कर दिया है। पवन चामलिंग अब वही काम कर रहे हैं जैसे कोई बूढ़ी बिल्ली चूहे को फंसाने की साजिश कर रही हो।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का अवसर मिला है। इसका भी विरोध कर चामलिंग ने खुद को युवा विरोधी साबित किया है। इससे साफ है कि चामलिंग की मंशा नौकरी देने की नहीं है। चामलिंग को सरकार द्वारा सिक्किम गरीब आवास योजना के तहत बनाए गए घरों के खिलाफ भी देखा जाता है। एसजीएवाई योजना के लिए पैसा नहीं होने का रोना रोने की कोशिश करने वाले चामलिंग ने क्या उन गांवों का दौरा किया है जहां एसकेएम सरकार ने बिना चुनाव के 3050 घर बनाए थे। जब बजटीय प्रावधान नहीं था तो वे घर कैसे बने ?

उन्होंने कहा कि पवन चामलिंग को इस तरह की बेबुनियाद बातें करके अपना स्तर और गिराने के बजाय पिछले साल 2014 और 2019 में उनके द्वारा गरीबों को बांटे गए फर्जी आवंटन आर्डर के बारे में भी उन्हें बात करनी चाहिए। चामलिंग नहीं चाहते कि गरीबों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त घर मिले। वे अपना गरीब विरोध रुख साबित कर रहे हैं। 40 साल तक सरकार से जुड़े रहने वाले पवन चामलिंग लोगों को मिलने वाले मकान, नौकरी, विकास और रियायतों का विरोध करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि चामलिंग एक आंख से भी लोगों के उत्थान और प्रगति को नहीं देख सकते। एसकेएम पार्टी का सुझाव है कि अगर पवन चामलिंग अभी भी राजनीति करना चाहते हैं तो उन्हें सिक्किम के लोगों के साथ बूढ़ी बिल्ली की तरह व्यवहार करना बंद कर देना चाहिए और गरीबों का सम्मान करना सीखना चाहिए।

वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र .....

किया है। उनके अलावा, प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम द्वारा अंग्रेजी दैनिक समाचार-पत्र सिक्किम एक्सप्रेस की स्थानीय संवाददाता इसाबेला गुरुंग को लगनशील युवा पत्रकार पुरस्कार और सिक्किम में पत्रकारिता क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवा हेतु वरिष्ठ महिला पत्रकार श्रीमती राधा प्रधान को विशिष्ट पत्रकारिता सेवा पुरस्कार को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया है। क्लब ने पिछले वर्ष से ही राज्य के एक युवा पत्रकार को पुरस्कृत करने की शुरुआत की थी। वहीं, श्रीमती प्रधान को 1980 से नियमित रूप से सिक्किम दर्शन नामक साप्ताहिक समाचार-पत्र के प्रकाशन हेतु विशिष्ट पत्रकार सेवा पुरस्कार के लिए चुना गया है।

वहीं, इन पुरस्कारों के अलावा प्रेस क्लब ऑफ सिक्किम ने स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष योगदान देने वाली अन्य क्षेत्रों की दो हस्तियों को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इनमें, सिक्किम में शतरंज के विकास और प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले महेंद्र ढकाल और पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण एवं अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली प्रियदर्शिनी श्रेष्ठ शामिल हैं। प्रियदर्शिनी श्रेष्ठ डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के तहत उत्तर बंगाल-सिक्किम में टीम लीडर के रूप में अपना योगदान दे रही हैं।

सरकार को मिल .....

बातें कर रहे हैं।

इस दौरान, उन्होंने एसकेएम कार्यकर्ताओं से सिक्किम के लोगों के कल्याण हेतु कार्य करने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्हें किसी भी तरह की झूठी खबरों और अफवाहों में शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने एसकेएम पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुशासित रहने और पार्टी नेता का हाथ मजबूत करने का आग्रह किया।

वहीं आज पार्टी में शामिल हुए नए लोगों में सोमनाथ अधिकारी और ताशी प्रधान ने भी अपना वक्तव्य रखते हुए पूरी ईमानदारी से पार्टी की सेवा करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस मौके पर पार्टी मुख्यालय के महासचिव पवन गुरूंग, कार्यालय पीआरओ जुनू छेत्री, पार्टी मुख्यालय सचिव पंकज गिरी आदि मौजूद रहे।

हिंसा बंद करें या परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें : सीएम बीरेन सिंह

इंफाल, 19 जून (एजेन्सी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को लोगों को चेतावानी देते हुए कहा कि अगर उन्होंने राज्य में हिंसा बंद नहीं की तो, उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने रविवार रात पश्चिम इंफाल जिले में अज्ञात व्यक्तियों की ओर से अकारण की गई गोलीबारी में एक सैनिक के घायल होने पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही।

सिंह ने यहां पत्रकारों से कहा, इसे (हिंसा को) बंद कीजिए। वरना, परिणाम भुगतने होंगे। मैं जनता... हथियार थामे मैतेई लोगों...से अपील करता हूं कि वे किसी पर हमला न करें और शांति बनाए रखें, ताकि हम राज्य में सामान्य स्थिति बहाल कर सकें।

बता दें, मणिपुर में पिछले महीने मैतेई और कुकी समुदाय के लोगों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। पूर्वोत्तर राज्य में शांति बहाल करने के लिए सेना और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि राज्य में जारी हिंसा के दौरान अपने घरों से भागे लोगों को बसाने के लिए उनकी सरकार तीन से चार हजार प्री-फैब्रिकेटेड घरों का निर्माण करेगी। कुछ राहत शिविरों का दौरा करने के बाद सिंह ने संवाददाताओं से कहा कि प्री-फैब्रिकेटेड घर दो महीने में तैयार हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, लोग परेशान हैं... राज्य सरकार उन्हें (राहत शिविरों में रह रहे लोगों को) अस्थायी रूप से ठहराने के लिए प्री-फैब्रिकेटेड घरों का निर्माण करने जा रही है, जब तक कि उन्हें उनके पिछले स्थानों पर स्थानांतरित करने की स्थायी व्यवस्था नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि लगभग तीन से चार हजार ऐसे घर बनाए जाएंगे और इसके लिए सामग्री का ऑर्डर दिया जा चुका है। सिंह ने कहा, सामग्री 10-15 दिनों में इंफाल पहुंच जाएगी। सरकार उन घरों को स्थापित करने के लिए जगह की तलाश कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोग परेशान हैं... राहत शिविरों में रह रहे लोगों को दो महीने में प्री-फैब्रिकेटेड घरों में स्थानांतरित किए जाने की संभावना है।

प्री-फैब्रिकेटेड घर रेडीमेड स्ट्रक्चर होते हैं जो ऑफ-साइट बनाए जाते हैं और उस जगह पर असेंबल किए जाते हैं जहां घरों को स्थापित किया जाता है। इस तकनीक में स्टील का ज्यादा उपयोग किया जाता है। इमारत का पूरा ढांचा फैक्ट्रियों में तैयार किया जाता है। इमारत के ढांचे का स्टील फ्रेम तैयार कर लिया जाता है। इसी तरह दीवारों के लिए फाइबर सीमेंट मिक्स बोर्ड तैयार कर लिए जाते हैं। इसके बाद जिस स्थान पर इसे फिट किया जाना है वहां पर मजबूती के हिसाब से जमीन में गहराई तक सीमेंट और स्टील का मजबूत फाउंडेशन तैयार किया जाता है। घर में निर्माण स्थल पर सीमेंट आदि का बहुत कम उपयोग होता है। स्टील फ्रेम व फाइबर-सीमेंट बोर्ड को निर्माण स्थल पर केवल नट-बोल्ट से कसने का काम शेष रहता है। इस तरह के निर्माण की तकनीक से जुड़े तकनीकी विशेषज्ञों के अनुसार, इस तकनीक से कई मंजिल ऊंची इमारतें बनाई जा सकती हैं।

बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती पर आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान केंद्रीय बलों की तैनाती के खिलाफ राज्य निर्वाचन आयोग की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट तैयार हो गया है। सुप्रीम कोर्ट 20 जून को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

बता दें कि कोलकाता हाईकोर्ट ने बीते दिनों अपने एक फैसले में राज्य में पंचायत चुनाव के दौरान कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। राज्य निर्वाचन आयोग की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मीनाक्षी अरोड़ा ने बताया कि आदेश के खिलाफ अपील गत शुक्रवार को दायर की गयी थी लेकिन सुनवाई नहीं हुई। उच्च न्यायालय ने 15 जून को आयोग को निर्देश दिया था कि पंचायत चुनाव के लिए पूरे पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती के लिए 48 घंटे के अंदर मांग की जाए और उनकी तैनाती की जाए।

मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले के खिलाफ ईडी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दरअसल मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के मंत्री और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार चल रहे सेंथिल बालाजी को सरकारी अस्पताल के बजाय निजी अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति दे दी है। ईडी ने इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर हाईकोर्ट के फैसले का विरोध किया है। ईडी ने याचिका में कहा है कि सेंथिल बालाजी एक ताकतवर व्यक्ति हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने अनेक हज समूह आयोजकों के पंजीकरण प्रमाणपत्रों और कोटा के निलंबन पर रोक लगाने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली केंद्र की याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एम एम सुंदरेश की अवकाशकालीन पीठ ने यह निर्देश दिया। केंद्र की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल संजय जैन ने कहा कि यदि हजयात्रियों का पंजीकरण मानदंडों के अनुरूप नहीं चलने वाले हज समूह आयोजकों (एचजीओ) के साथ किया जाता है तो उन्हें बहुत कठिनाई का सामना करना होगा। केंद्र ने अदालत से कहा था कि उसे एचजीओ के किसी नियम या शर्त का पालन नहीं करने पर उनका पंजीकरण निरस्त या निलंबित करने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व सांसद वाई एस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सांसद वाई एस अविनाश रेड्डी को अग्रिम जमानत देने के तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सांसद और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से सोमवार को जवाब मांगा। उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ विवेकानंद रेड्डी की बेटी ने याचिका दायर की है। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एम एम सुंदरेश की अवकाशकालीन पीठ ने मामले को तीन जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। बता दें कि तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 31 मई को अविनाश रेड्डी को अग्रिम जमानत दे दी थी और जांच पूरी होने तक उन्हें सीबीआई की पूर्व अनुमति के बिना देश से बाहर नहीं जाने का निर्देश दिया था।

देश को यूनिफॉर्म सिविल कोड की जरूरत : सीएम धामी

देहरादून, 19 जून (एजेन्सी)। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को जल्द ही लागू किया जाएगा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि ''देश को समान नागरिक संहिता की जरूरत है। आज पूरे देश में इस कानून की चर्चा हो रही है। सभी राज्यों को इसे लागू करना चाहिए। हालांकि, कुछ लोग इसके खिलाफ भी हैं, लेकिन यूसीसी सभी के फायदे के लिए है।

उत्तराखंड में सरकार यूसीसी के कार्यान्वयन के लिए आगे बढ़ रही है। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता को लागू करने की तैयारी तकरीबन अंतिम चरण में है। रिटायर्ड जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में कमेटी यूसीसी का मसौदा तैयार कर चुकी है। जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा। जिस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रतिबद्धता जता चुके हैं।

क्या है समान नागरिक संहिता:- समान नागरिक संहिता यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड का मतलब हर नागरिक के लिए एक समान कानून है। चाहे वो किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो, सभी पर एक जैसा कानून लागू होगा। इसके तहत शादी, तलाक और जमीन जायदाद आदि के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही तरह का कानून लागू होगा। समान नागरिक संहिता एक निष्पक्ष कानून होगा, जिसका किसी धर्म से कोई ताल्लुक नहीं है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए हमने एक समिति बनाई थी। समिति ने हितधारकों, विभिन्न समुदायों के लोगों से बात की और सभी के सुझाव सुने। अब, समिति इसके आधार पर एक मसौदा बना रही है। जल्द ही हम उत्तराखंड में यूसीसी के कार्यान्वयन के साथ आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि देश को समान नागरिक संहिता की जरूरत है। देशभर के लोगों की हमेशा से यही अपेक्षा रही है कि इस कानून को लागू किया जाए।

सीएम धामी ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान कहा गया था कि सरकार बनने के बाद यूसीसी के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। उनकी सरकार को जनादेश मिला और सरकार बनते ही सबसे पहले यूसीसी के लिए कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया। आज पूरे देश में समान नागरिक संहिता की चर्चा हो रही है। हालांकि, कुछ लोग इसके खिलाफ भी हैं। यूसीसी सभी के फायदे के लिए है।

गौर हो कि देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू करने वाला राज्य उत्तराखंड बनने जा रहा है। अब पूरे देश में इसे लागू करने की बात कही जा रही है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार भी उत्तराखंड के इसी मसौदे के जरिए देशभर में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में बढ़ सकती है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का दावा- वर्तमान लोकसभा के चार साल में 93.09 फीसदी हुआ काम

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्षी दलों के सदन में बोलने का मौका नहीं देने के आरोपों के बीच यह दावा किया है कि वर्तमान 17वीं लोकसभा के पहले चार वर्षों के दौरान हुए संसद के 11 सत्रों के दौरान सदन में 93.09 प्रतिशत कामकाज हुआ है।

वर्तमान लोक सभा के चार साल के कामकाज का ब्यौरा देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि पिछली लोक सभाओं की तुलना में वर्तमान लोक सभा में ज्यादा कामकाज हुआ है और बोलने वाले सांसदों, यहां तक कि महिला सांसदों की संख्या भी पहले से ज्यादा रही है।

बिरला ने एक के बाद एक सिलसिलेवार कई ट्वीट कर वर्तमान लोक सभा के कामकाज की तुलना पिछली लोक सभाओं के कामकाज से करते हुए कहा कि 14वीं लोक सभा में 82.81 प्रतिशत, 15वीं लोक सभा में 67 प्रतिशत और 16वीं लोक सभा में 88.63 प्रतिशत कामकाज हुआ, जबकि इसकी तुलना में 17वीं लोक सभा के पहले चार वर्षों में आयोजित 11 सत्रों के दौरान सदन में 93.09 प्रतिशत कामकाज हुआ।

उन्होंने कहा कि, सदन जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बने, इसके लिए सभी सदस्यों को अपना मत प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के प्रयास किए गए। विधेयकों पर चर्चा हो अथवा शून्य काल, पहले की तुलना में अधिक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

बिरला ने सदन में कामकाज की जानकारी देते हुए आगे कहा कि, विगत चार वर्षों के दौरान सदस्यों के सक्रिय प्रयासों और सरकार के सहयोग से हम कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने में सफल रहे। नियम 377 के तहत सरकार से प्राप्त जवाबों में वृद्धि हुई। प्रश्नकाल के दौरान भी अधिक प्रश्नों के मौखिक उत्तर दिए गए। विधायी कामकाज की ऑष्टि से भी 17वीं लोक सभा के पहले चार वर्ष उल्लेखनीय रहे। विगत 11 सत्रों में कुल 162 विधेयक पुर:स्थापित तथा 169 विधेयक पारित किए गए।

लोक सभा अध्यक्ष ने शून्यकाल के दौरान चर्चा के आंकड़ों को सामने रखते हुए कहा कि 14वीं लोक सभा में शून्यकाल के दौरान 2,628 विषयों पर चर्चा हुई थी, 15वीं लोक सभा में 2,608 विषयों पर और 16वीं लोक सभा में 5,214 विषयों पर चर्चा हुई, जबकि वर्तमान लोक सभा के चार साल के दौरान सदन में सबसे ज्यादा 5,253 विषयों पर चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि 14वीं लोक सभा में सभी विधेयक पर चर्चा के दौरान कुल मिलाकर 1,450 सदस्य शामिल हुए थे लेकिन वर्तमान 17वीं लोक सभा में विधेयकों पर चर्चा के दौरान 2,405 सदस्य शामिल हुए।

महिला सांसदों को भी अधिक मौका मिलने की बात कहते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायी कार्यों, नीति-निर्धारण तथा कार्यक्रम क्रियान्वयन को बेहतर बनाने में महिला सदस्यों की भूमिका सुनिश्चित करने में भी 17वीं लोक सभा अग्रणी रही। गत चार वर्षों में 367 महिला सदस्यों ने विधेयकों पर चर्चा में भाग लिया। जबकि 14वीं लोक सभा में यह संख्या 103, 15वीं में 102 और 16वीं लोक सभा में 153 था।

बिरला ने कहा, लोक सभा अध्यक्ष के रूप में गत चार वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री, सदन के सभी दलों के नेताओं तथा सदस्यों का सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ। सभी सांसदों ने चर्चा और संवाद के द्वारा जनता की आशाओं और अपेक्षाओं

को पूरा करने का प्रयास किया। सदन जनभावनाओं की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बने, इसके लिए सभी सदस्यों को अपना मत प्रस्तुत करने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाने के प्रयास किए गए। विधेयकों पर चर्चा हो अथवा शून्य काल, पहले की तुलना में अधिक सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने संसद के नए भवन का जिक्र करते हुए यह भी कहा, 17वीं लोक सभा के दौरान देश की जनता को संसद का नया भवन समर्पित किया गया। यह नया भवन उभरते हुए भारत के सामर्थ्य और क्षमताओं का प्रतीक है जो 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का उत्प्रेरक बनेगा। इस भवन में देश की गौरवशाली परम्पराओं को भी पुन: जीवंत किया गया है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DWARKA MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:12 DrawDate on:19/06/23 MRP₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 48C 20244
Cons. Prize ₹1000/- 20244 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
03015 08761 16670 34704 51317 72775 74046 78951 82085 97170
3rd Prize ₹450/-
0119 0686 2438 3106 3409 5060 5287 7205 7519 8841
4th Prize ₹250/-
0552 2292 2339 4128 4481 5245 6940 7521 8968 9135
5th Prize ₹120/-
0107 0247 0248 0305 0391 0408 0523 0586 0653 1059
1099 1129 1145 1153 1188 1273 1375 1702 1931 1953
2058 2145 2157 2230 2267 2289 2290 2335 2343 2382
2395 2454 2555 2572 2747 3014 3202 3236 3246 3305
3353 3367 3410 3573 3733 3827 3969 4408 4508 4509
4671 4709 4006 4822 4829 5867 5131 5513 5557 5500
5746 5775 5785 6033 6124 6149 6205 6234 6299 6303
6414 6424 6426 6805 6857 6911 6913 7059 7269 7271
7379 7397 7422 7472 7744 7805 7909 7941 8006 8026
8085 8283 8331 8434 8572 8653 9051 9741 9791 9996
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : www.Nagalandlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR DESERT MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:12 DrawDate on:19/06/23 MRP₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 82D 16928
Cons. Prize ₹1000/- 16928 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02611 14768 35289 47651 61151 73097 77299 80286 92775 97602
3rd Prize ₹450/-
2501 2904 3257 3396 3666 3693 3829 4728 6855 9475
4th Prize ₹250/-
1057 1189 1736 2637 4130 4977 5245 7559 7719 8407
5th Prize ₹120/-
0065 0132 0179 0324 0346 0445 0516 0572 0741 0903
1298 1370 1464 1593 1599 1656 1704 1770 1799 1893
1897 1918 1945 1950 1979 2020 2030 2167 2194 2402
2557 2664 2768 2849 2920 3132 3251 3385 3514 3629
3695 3754 3793 3824 3920 4079 4104 4341 4478 4618
4623 4624 4652 4712 5693 5226 5467 5504 5538 5850
5900 5961 6061 6134 6159 6178 6205 6216 6242 6343
6418 6522 6677 6781 6793 7061 7088 7100 7638 7969
8010 8031 8341 8469 8534 8606 8808 8813 8841 8989
9050 9143 9232 9237 9285 9482 9563 9584 9670 9940
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : www.Nagalandlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR FINCH MONDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:12 DrawDate on:19/06/23 MRP₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 95L 15602
Cons. Prize ₹1000/- 15602 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
00842 07839 11387 13485 45173 45385 58249 62368 85749 86384
3rd Prize ₹450/-
1643 2000 3214 4523 5800 6005 7522 8510 8698 9963
4th Prize ₹250/-
0274 0448 1379 2812 3158 4216 6750 7336 7852 9682
5th Prize ₹120/-
0062 0252 0385 0530 0590 0598 0612 0677 0707 0853
0880 1001 1034 1332 1391 1488 1506 1645 1653 1766
1801 1858 1946 1956 2058 2133 2138 2302 2319 2393
2424 2518 2532 2573 2586 2608 2778 2779 2934 2983
3026 3141 3185 3271 3478 3694 3711 3778 3808 3858
4259 4332 4550 4694 4704 4915 4938 5032 5067 5117
5266 5377 5688 5511 6195 6278 6484 6489 6505 6548
6561 6639 6834 7042 7285 7600 7602 7636 7706 7811
8333 8372 8402 8406 8422 8443 8458 8976 9016 9031
9088 9106 9127 9201 9309 9532 9587 9688 9826 9874
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : www.Nagalandlotteries.com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

भारत की सार्थक पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफ्रीकन यूनियन को जी-20 की सदस्यता देने का प्रस्ताव करके एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है। इस पहल को कई वजहों से अहम माना जा रहा है। जी-20 देशों की अगली शिखर बैठक सितंबर में ही नई दिल्ली में होने वाली है। भारत अभी इस समूह की अध्यक्षता कर रहा है। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विकासशील देशों की मौजूदगी बढ़ाने और उनके स्वर को मजबूती देने का पहले से ही पक्षधर रहा है। जी-20 समूह की अध्यक्षता की इस अवधि में भी उसकी खास तौर पर कोशिश रही कि इस समूह में विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ाकर इसे ज्यादा प्रासंगिक और उपयोगी बनाया जाए।

इसी क्रम में उसने साल की शुरुआत में वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट की भी मेजबानी की ताकि गरीब और विकासशील देशों से जुड़े मुद्दों को जी-20 के अजेंडा में शामिल किया जा सके। इस बैठक में ज्यादातर अफ्रीकी देश शामिल हुए और इन देशों की सदस्यता का मसला भी वहीं से जोर पकड़ा। गौर करने की बात है कि 54 अफ्रीकी देशों में से सिर्फ एक देश साउथ अफ्रीका इस ग्रुप का सदस्य है, जबकि यूरोप के पांच देशों के साथ ही यूरोपियन यूनियन को भी इसकी सदस्यता हासिल है। इन देशों की कुल आबादी 1.3 अरब से भी अधिक है।

जाहिर है, इतने बड़े जनसमूह को, उसकी जरूरतों और उनसे जुड़े मुद्दों को अपने दायरे से बाहर रखना कोई समझदारी की बात नहीं होगी। हालांकि भारत की ओर से प्रस्ताव रख दिए जाने भर से सदस्यता का यह सवाल हल नहीं हो जाता। जी-20 समूह के विस्तार का कोई भी प्रस्ताव सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ सकता है। ऐसे में भारत के इस प्रस्ताव पर भी बात तभी बनेगी, जब जी-20 के सभी देश इस पर सहमत होंगे। मौजूदा हालात में ऐसी सर्वसम्मति बनाना आसान नहीं होगा। लेकिन इसके बावजूद भारत की ओर से यह प्रस्ताव आना महत्वपूर्ण है। एक वजह तो यही है कि इससे कम से कम यह मुद्दा अजेंडे पर आ गया। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता हासिल करने का भारत का लक्ष्य। भारत ने अपनी यह इच्छा छुपाई नहीं है। वह शुरू से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर छोटे और विकासशील देशों का मुद्दा उठाने के लिए जाना जाता रहा है। इस पहल के जरिए उसने अपनी इस छवि को तो मजबूती दी ही, अफ्रीकी देशों के साथ अपने जुड़ाव को भी एक बार फिर से रेखांकित कर दिया है। अफ्रीकन यूनियन को संयुक्त राष्ट्र महासभा में परमानेंट ऑब्जर्वर का दर्जा हासिल है और ये 54 अफ्रीकी देश वोटरों का एक बड़ा समूह बनाते हैं। जाहिर है, न केवल जी-20 समूह को ज्यादा व्यापक बनाने और उसके जरिए इस दुनिया को ज्यादा न्यायपूर्ण बनाने के लिहाज से बल्कि सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के सवाल पर भारत के लिए इन 54 देशों का समर्थन सुनिश्चित करने की दृष्टि से भी पीएम मोदी की यह ताजा पहल बेहद महत्वपूर्ण है।

भाजपा, केसीआर और मुसलमान

विनीत नारायण

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने हाल में मुसलमानों को औरंगजेब की औलाद कह कर संबोधित किया। इससे पहले उत्तर प्रदेश के पिछले चुनाव में रामजादे-हरामजादे या शमशान-कब्रिस्तान जैसे भड़काऊ बयान दिए गए थे।

दिल्ली चुनावों में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने गोली मारो सालों को जैसे भड़काऊ बयान देकर मुसलमानों के प्रति अपनी घृणा अभिव्यक्त की थी। पिछले दिनों बालासोर की ट्रेन दुर्घटना में बिना तथ्यों की जांच हुए ही ट्रॉल आर्मी ने फौरन प्रचारित कर दिया कि दुर्घटना स्थल से थोड़ी दूर एक मस्जिद में इस हादसे की साजिश रची गई थी। जबकि जिसे मस्जिद बताया जा रहा था वो इस्कॉन संस्था का श्रीराधा कृष्ण मंदिर है, और जिस स्टेशन मास्टर को मुसलमान होने के नाते इस दुर्घटना का साजिशकर्ता बताया जा रहा था वो दरअसल, हिन्दू निकला।

देश में जब कोविड फैला तो दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित एक इमारत में ठहरे हुए तब्लिकी जमात के लोगों को इस बीमारी को फैलाने का जिम्मेदार बता कर मीडिया पर खूब शोर मचाया गया। हर उस हिन्दू लड़की, जो मुसलमान से ब्याह कर लेती है, को यह कहकर डराया जाता है कि उसका पति भी आफताब की तरह टुकड़े-टुकड़े कर उसे काट देगा या वेश्यालय में बेच देगा। ऐसे ही दर्दनाक हादसे जब हिन्दू लड़कियों के हिन्दू प्रेमी या पति करते हैं तब ट्रोल आर्मी और मीडिया खामोश रहते हैं। हर चुनाव के पहले भाजपा के नेता ऐसा ही माहौल बनाने लगते हैं पर चुनाव के बाद उनकी भाषा बदल जाती है।

द केरल स्टोरी जैसी फिल्मों के माध्यम से और ट्रॉल आर्मी द्वारा फैलाई गई जानकारी ही अगर मुसलमानों से नफरत का आधार है, तो संघ प्रमुख मोहन भागवत क्यों कहते हैं, मुस्लिमों के बिना हिन्दुत्व नहीं, हम कहेंगे कि मुसलमान नहीं चाहिए तो हिन्दुत्व भी नहीं बचेगा, हिन्दुत्व में मुस्लिम पराये नहीं? गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए नरेन्द्र मोदी ने सीधी बात टीवी कार्यक्रम में कहा था, जो हिन्दू इस्लाम का विरोध करता है, वह हिन्दू नहीं है। समझ में नहीं आता कि संघ और भाजपा की सोच क्या है? कहीं पर निगाहें - कहीं पर निशाना! इसी हफ्ते सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल करवाया गया जिसमें तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव किसी भवन के मुहूर्त में श्रद्धा भाव से खड़े हैं, और उनकी बगल में खड़े मौलवी कुरआन ख्वानी (दुआ) पढ़ रहे हैं। भेजने वाले का यह कहना था कि अगर केसीआर फिर से तेलंगाना विधानसभा का चुनाव जीत गए तो इसी तरह मुसलमान हावी हो जाएंगे। जबकि हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है।

जुलाई, 2022 से पहले के वर्षों में मैं जब भी हैदराबाद जाता था तो वहां के भाजपा के नेता यही कहते थे कि केसीआर मुसलमान परस्त हैं, और इनके शासन में सनातन धर्म की उपेक्षा हो रही है। जुलाई, 2022 में एक सनातनी संत के संदर्भ से मेरा केसीआर से परिचय हुआ। तब से अब तक उन्होंने मुझे दर्जनों बार हैदराबाद आमंत्रित किया। जिस तीव्र गति से वे तेलंगाना को विकास के पथ पर ले आए हैं, वह देखे बिना कल्पना करना असंभव है। सिंचाई से लेकर कृषि तक, आईटी से लेकर उद्योग तक, शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक और वंचित समाज से लेकर धार्मिक कार्यों तक, हर क्षेत्र में केसीआर का काम देखने वाला है, जो किसी अन्य राज्य में आजकल दिखाई नहीं देता। इसलिए हर परियोजना का भव्य उद्घाटन करना केसीआर की प्राथमिकता होती है। अब तक हमने देश में हर स्तर के चुनावों के पहले बड़ी-बड़ी परियोजनाओं के शिलान्यास होते देखे हैं पर इनमें से ज्यादातर परियोजनाएं शिलान्यास तक ही सीमित रहती हैं, आगे नहीं बढ़ती। पर केसीआर की कहानी इसके बिल्कुल उलट है। वे शिलान्यास नहीं, परियोजनाओं के पूरा हो जाने पर उद्घाटन बड़े भव्य तरीके से आयोजित करते हैं। ऐसे अनेक उद्घाटनों में मैं अतिथि के रूप में उपस्थित रहा हूं। हर उद्घाटन में सर्व-धर्म प्रार्थना होती है, और उन धर्मों के मौलवी या पादरी आकर दुआ करते हैं। पर केसीआर की जो बात निराली है, वो यह कि वे बिना प्रचार के सनातन धर्म के सभी कर्मकांडों को योग्य पुरोहितों और ऋत्विकों द्वारा बड़े विधि-विधान से शुभ मुहूर्त में श्रद्धापूर्वक करवाते हैं।

पिछले महीने जब उन्होंने बाबा साहेब अंबेडकर के नाम से नये बनाए भव्य सचिवालय का लोकार्पण किया तो मैं यह देख कर दंग रह गया कि न केवल मुख्य द्वार पर नारियल फोड़ कर वेद मंत्रों के बीच सचिवालय में प्रवेश किया गया, बल्कि छह मंजिल के इस अति विशाल भवन में मुख्यमंत्री, मंत्री, सचिव और अन्य अधिकारियों के हर कक्ष में पुरोहितों द्वारा विधि-विधान से पूजन किया गया। दो घंटे चले इस वैदिक कार्यक्रम में ट्रॉल आर्मी को दुआ के हाथ उठाते तीन मौलवी ही दिखाई दिए जिनके बगल में केसीआर श्रद्धा भाव से खड़े थे। यह है एक सच्चे सनातनधर्मी और धर्मनिरपेक्ष भारतीय नेता का व्यक्तित्व। दूसरी ओर धर्म का झंडा लेकर घूमने वाले अपने आचरण से यह कभी सिद्ध नहीं कर पाते कि उनमें सनातन धर्म के प्रति कोई आस्था है। करें भी क्यों जब धर्म उनके लिए केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम है। फिर भी ट्रॉल आर्मी यही प्रचारित करने में जुटी रहती है कि उसके नेता तो बड़े धार्मिक हैं, जबकि विपक्ष के नेता मुस्लिम परस्त हैं। यह सही नहीं है।

चार दशकों के अपने पत्रकारिता जीवन में हर राजनीतिक दल के देश के सभी बड़े नेताओं से मेरे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं, चाहे भाजपा हो या कांग्रेस, जनता दल हो या समाजवादी दल, साम्यवादी दल हो या तृणमूल कांग्रेस, मैंने यह पाया है कि भाजपा के अलावा जितने भी दल हैं, वामपंथियों को छोड़ कर, उन सब के अधिकतर नेता आस्थावान हैं, और अपने-अपने विास के अनुरूप अपने आराध्य की निजी तौर पर उपासना करते हैं। अगर इनमें कुछ नेता नास्तिक हैं तो संघ और भाजपा के भी तो बहुत से नेता पूरी तरह से नास्तिक हैं। अंतर इतना है कि स्वयं को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले नेता अपनी धार्मिक आस्था का प्रदर्शन और प्रचार नहीं करते। इसलिए मुसलमानों के सवाल पर देश में हर जगह खुला संवाद होना चाहिए कि आखिर, भाजपा और संघ की इस विषय पर सही राय क्या है? अभी तक इस मामले में उसका दोहरा स्वरूप ही सामने आया है, जिससे उनके कार्यकर्ताओं और शेष समाज में भ्रम की स्थिति बनी हुई है।

उमेश पाल के घर पहुंचे केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, बोले- फरार आरोपियों को जल्द पकड़ेगी पुलिस

प्रयागराज, 19 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद एसपी सिंह बघेल ने सोमवार को धूमनगंज सुलेमसराय पहुंचकर विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल के परिजनों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि हत्याकांड में फरार चल रहे अन्य आरोपियों को भी पुलिस जल्द गिरफ्तार कर लेगी। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

एसपी सिंह बघेल ने उमेश पाल की मां शांति देवी और पत्नी जया पाल से बातचीत कर परिवार का हालचाल जाना। उन्हें परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि उमेश पाल की हत्या में शामिल किसी भी आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा। तमाम आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। जो आरोपी अभी तक पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहे हैं उन्हें भी कानून के तहत सजा दिलाने का कार्य पुलिस करेगी।

केंद्रीय मंत्री बघेल ने उमेश पाल के परिजनों को सांत्वना देने के बाद संगम तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर पहुंचे। यहां पर उन्होंने विधि विधान से बजरंग बली की पूजा अर्चना की। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा के नेता मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री ने उमेश पाल के घर पर परिजनों को सांत्वना देने के बाद फोटो ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा- आज प्रयागराज में स्वर्गीय उमेश पाल जी के घर पर माताजी और परिवार के सदस्यों का हाल चाल जाना। आज श्री उमेश पाल जी को गए चार महीने हो गए, लेकिन मां के आंसू नहीं सूखे। मां का आशीर्वाद अगर लोगों को जीवन देता है तो मां के आंसू कई बार लोगों को नेस्तनाबूद भी कर देता है।

केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने पत्रकारों के सवाल पर यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसा। अखिलेश द्वारा यूपी की 80 लोकसभा सीट पर जीत का दावा करने के सवाल पर मंत्री बोले - 80 सीटों का दावा करने वाले अखिलेश यादव पिछले चुनाव में अपने आधे परिवार को हारने से नहीं रोक पाए, जबकि उन्हें मायावती की पार्टी का भी समर्थन प्राप्त था। मंत्री ने इस दौरान कौशांबी के सांसद विनोद सोनकर से उनके आवास पर जाकर मुलाकात भी की।

बचपन बचाने की गंभीर चुनौती

योगेश कुमार गोयल

भारत में यौन शोषण के शिकार बच्चों को इंसाफ दिलाने के लिए 2012 में पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस) एक्ट लागू किया गया था लेकिन इसे लागू हुए एक दशक से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी अधिकांश राज्यों में बच्चों को समय पर न्याय नहीं मिल पा रहा।

विश्व बैंक की संस्था के साथ विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी द्वारा किए गए एक अध्ययन में पिछले दिनों चौंकाने वाले तथ्य सामने आए कि भारत में यौन शोषण के मामलों में सजा पाने वाले दोषियों से करीब तीन गुना ज्यादा संख्या बरी होने वालों की है।

पॉक्सो एक्ट के तहत नाबालिग के प्रति यौन उत्पीड़न तथा यौन शोषण जैसे अपराध और छेड़छाड़ करने के मामले में कार्रवाई की जाती है। इस कानून के तहत अलग-अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा का निर्धारण किया गया है। बारह वर्ष तक की बच्ची के बलात्कार के दोषियों को इसके तहत मौत की सजा भी सुनाई जा सकती है। बच्चों को यौन शोषण तथा अश्लीलता से बचाने के लिए यह कानून 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर लागू होता है। 2007 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा बाल शोध अध्ययन रिपोर्ट जारी करते हुए बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए सख्त कानून लागू करने की सिफारिश की गई थी, जिसके बाद पॉक्सो एक्ट-2012 नाम से कानून बनाया गया था। इस एक्ट का मुख्य उद्देश्य चाइल्ड पोर्नोग्राफी सामग्री पर रोक लगाते हुए 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन दुर्व्यवहार तथा लैंगिक हमलों से सुरक्षा प्रदान करना है। भावी पीढ़ी को शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित करने का अवसर देना भी इस एक्ट में शामिल है। लेकिन चिंता का विषय है कि पॉक्सो एक्ट लागू होने के 10 साल बीतने के बाद भी इसके तहत दर्ज मामलों के निपटारे में अत्यधिक शिथिलता देखी जा रही है। इस कानून के तहत जितने दोषियों को सजा मिल रही है, उससे तीन गुना ज्यादा रिहा हो रहे हैं। सबसे बुरा हाल आंध्र प्रदेश का है। वहां पॉक्सो एक्ट के सबसे ज्यादा आरोपी बरी हो रहे हैं। वहां एक मामले में आरोपी दोषी ठहराया जाता है, तो सात मामलों में आरोपी बरी हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल में भी एक मामले में आरोपी दोषी ठहराया जाता है, तो पांच में आरोपी बरी हो रहे हैं। देश भर में करीब 94 फीसद मामलों में ऐसा ही हो रहा है।

देश की पॉक्सो अदालतों में लंबित मामले प्रति वर्ष 20 फीसद से भी ज्यादा की दर से बढ़ रहे हैं। 2012 में बच्चों से दुष्कर्म के 8541 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2021 में इनकी संख्या 83348 हो गई। सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश में लंबित हैं, जहां नवम्बर, 2012 से फरवरी, 2021 के बीच पॉक्सो के तहत दर्ज मामलों में से 77.77 फीसद मामले लंबित पाए गए। देश में सर्वाधिक लंबित पॉक्सो मामलों वाले पांच जिलों में से भी चार जिले (लखनऊ, बदायूं, प्रयागराज और हरदोई) उत्तर प्रदेश के हैं जबकि पांचवां जिला पश्चिम बंगाल का हावड़ा है।

पॉक्सो एक्ट के तहत वारदात से लेकर अदालत के फैसले तक के लिए एक वर्ष की अधिकतम अवधि तय की गई है, लेकिन चंडीगढ़ तथा पश्चिम बंगाल ही ऐसे राज्य हैं, जहां एक साल में केस निपटाए जा रहे हैं वरना तो पॉक्सो का एक मामला निपटाने में औसतन 510 दिन का समय लग रहा है। 10 फीसद से ज्यादा मामलों में तो तीन साल से भी ज्यादा समय लग रहा है, और राजधानी दिल्ली में ऐसे मामलों को निपटाने का औसतन समय देश में सर्वाधिक करीब साढ़े तीन माह (1284 दिन) हैं, जहां औसतन 593 दिन तो सबूत जुटाने और पुष्ट करने में ही लग रहे हैं।

दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा पिछले दिनों आयोजित पॉक्सो10 कॉन्फ्रेंस में यह खुलासा भी हुआ कि दिल्ली में पॉक्सो के करीब 88 फीसदी मामले लंबित हैं। सेंटर फॉर चाइल्ड राइट्स एंड सिविक डेटा लैब के अध्ययन अनपैकिंग ज्यूडिशियल डेटा एंड ट्रैक इम्प्लीमेंटेशन ऑफ द पॉक्सो एक्ट इन असम, दिल्ली एंड हरियाणा के अनुसार 2012-20 के बीच 19783 मामलों को ट्रैक किया गया और अध्ययन में असम में 74 फीसद तथा हरियाणा में 60 फीसद पॉक्सो के लंबित मामलों को दिखाया गया। 2012 से 2021 तक के आंकड़ों से पता चलता है कि बच्चों के यौन शोषण के मामलों में 94 फीसद आरोपी पीड़ित या उसके परिवार के परिचित होते हैं, केवल 6 फीसद मामलों में ही आरोपी ने वारदात से पहले बच्चे को कभी नहीं देखा था। बच्चियों के यौन शोषण के मुकदमों में तो 48.66 फीसद परिचत आरोपी पाए गए। बच्चों पर यौन हमले के प्रभाव के बारे में यूनिसेफ इंडिया में बाल संरक्षण प्रमुख सोलेदाद हेरेरो का कहना है कि जिन वयस्कों ने बचपन में यौन शोषण का सामना किया है, उनमें वयस्कता में हिंसा करने की संभावना सात गुना और आत्महत्या करने की संभावना 30 गुना ज्यादा होती है।

करीब आ रहे भारत-ऑस्ट्रेलिया

शिव शरण शुक्ला

भारत-ऑस्ट्रेलिया रिश्ते के बारे में लंबे समय तक माना जाता रहा कि स्वाभाविक दोस्ती के बावजूद आपसी रिश्ते उपेक्षित हैं। दोस्ती को स्वाभाविक इसलिए माना गया कि इनका औपनिवेशिक इतिहास एक ही होने के कारण इनके लोकतांत्रिक मूल्य व सांस्कृतिक लक्ष्य कमोबेश एक ही हैं। इसके बावजूद साझा रिश्ते उपेक्षित रहे, क्योंकि शीतयुद्ध के दौरान भारत को उसकी विदेश नीति गुटनिरपेक्ष आंदोलन की ओर ले गई, जबकि ऑस्ट्रेलिया के अमेरिका से मजबूत रिश्ते रहे।

यह कहना सही नहीं कि 'तीन सी-यानी करी, क्रिकेट और कॉमनवेल्थ' भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों के आधार हैं। सच तो यह है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया पहले ब्रिटिश साम्राज्य का, फिर अमेरिकी जीवन मूल्यों का वाहक रहा। भारत न केवल पदानुक्रम से विकसित इन राजनीतिक और आर्थिक विश्व व्यवस्था का विरोधी व आलोचक रहा, बल्कि यह जवाहरलाल नेहरू द्वारा निर्देशित भारतीय संस्कृति के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के प्रचार-प्रसार में भरोसा करता रहा। ऑस्ट्रेलिया शीतयुद्ध के बाद अमेरिका से जुड़ा रहा, जबकि भारत की विदेश नीति उसकी रणनीतिक जरूरतों से चालित रही।

भारत ने हालांकि 1990 के दशक में उदार अर्थनीति अपनाई, लेकिन इसका आर्थिक विकास मुख्यत: सेवा क्षेत्र के प्रसार पर आधारित रहा, जबकि ऑस्ट्रेलिया की अर्थनीति खासकर चीन को संसाधनों और शैक्षिक सेवाओं के निर्यात पर केंद्रित रही। ऐसे में, भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच बेहतर रिश्ते स्थापित करने के लिए आर्थिक कारण कम थे।

पिछले पांच साल में अलबत्ता चीन से तनाव बढ़ने के कारण स्थिति नाटकीय रूप से बदल गई है। चीन से ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते वर्ष 2017 में बिगड़ने शुरू हुए। ऑस्ट्रेलिया और खासकर प्रशांत क्षेत्र में, जिसे कैनबरा अपना प्रभाव क्षेत्र मानता है, चीन के बढ़ते हस्तक्षेप से ऑस्ट्रेलिया न सिर्फ बहुत परेशान हुआ, बल्कि नीति-नियंताओं को इससे खतरा भी महसूस हुआ। नतीजतन चीनी दखल को रोकने और चीनी निवेश पर अंकुश लगाने के लिए आनन-फानन में वहां ऐसे सख्त सुरक्षा कानून बने, जिससे नागरिक अधिकारों का भी हनन हुआ।

यही नहीं, ऐसे में, ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका के साथ रिश्ते और मजबूत तो किए ही, उसे जापान और भारत जैसे देशों के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने की आवश्यकता भी महसूस हुई। ऑस्ट्रेलिया की बेरुखी देखकर चीन ने कैनबरा की पूर्ववर्ती लिबरल-नेशनल गठबंधन सरकार पर रणनीतिक प्रतिबंध जैसी स्थिति आयद की, कुछ ऑस्ट्रेलियाई कृषि उत्पादों और दूसरी वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाया तथा अपने छात्रों को ऑस्ट्रेलिया में पढ़ने जाने के प्रति हतोत्साहित करने की नीति अपनाई। ऐसे में, ऑस्ट्रेलिया को भी अपनी वस्तुओं के लिए चीन से इतर बाजार ढूंढने की जरूरत महसूस हुई।

वर्ष 2020 में चीन से भारत के रिश्ते इतने तनावपूर्ण हो गए थे कि वर्ष 1975 के बाद पहली बार सीमा पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच हिंसक भिड़ंत हुई, जिसमें मौतें भी हुईं। वर्ष 2021 और 2022 में भी दोनों के बीच झड़प हुई और कई दौर की वार्ताओं से भी हल नहीं निकला। नतीजतन भारत ने जहां उपभोक्ता वस्तुओं और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए आवश्यक उपादानों के चीन से आयात कम या खत्म करने के लिए स्थानीय उद्योगों को आर्थिक प्रोत्साहन देना शुरू किया, वहीं चीनी वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क थोपने तथा प्रतिबंध लगाने, कुछ चीनी तकनीकों को अपने यहां प्रतिबंधित करने और चीनी निवेश पर भी प्रतिबंध लगाने का फैसला किया।

ऐसे में, वर्ष 2020 में भारत-ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते बेहतर और मजबूत होने शुरू हुए। उसी साल दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की, और ऑस्ट्रेलिया आखिरकार मालाबार सैन्याभ्यास में शामिल हुआ, जिसकी इस साल वह मेजबानी कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया पहले से ही भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने का आकांक्षी था, अब भारत भी इस क्षेत्र में पहल कर रहा है। ऑस्ट्रेलिया के मंत्रियों के भारत दौरे को देखते हुए पिछले साल भारतीय मंत्री भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए। अब क्वाड दोनों देशों के बीच मजबूत रिश्तों का मंच बना है।

हालांकि पहले क्वाड के मंच से भी चीन का उल्लेख करने से भारत बचता था, लेकिन 2021 से वह दक्षिण और पूर्व चीन सागर में चीन की आक्रामक गतिविधियों का उल्लेख करता है। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को अपना साझेदार मानते हुए सेमी कंडक्टर्स की आपूर्ति करने का भरोसा दिया है, तो मेडिकल उपकरणों और टीकों के क्षेत्र में दोनों देशों ने मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई है।

दोनों देशों में नागरिकों की आवाजाही भी बढ़ी है। ऑस्ट्रेलिया में प्रवासन और अध्ययन के लिए हर साल पहुंचने वाले विदेशियों में भारत का स्थान दूसरा है। इसी तरह डीकेन यूनिवर्सिटी भारत में अपना कैंपस खोलने वाली पहली विदेशी यूनिवर्सिटी होने वाली है। छात्रों, शोधार्थियों, स्नातकों और कारोबारियों-उद्योगपतियों की अबाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए दोनों देश एक समझौते पर दस्तखत करने जा रहे हैं।

दोतरफा रिश्तों में हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उन्नत हथियारों के लिए रूस पर भारतीय निर्भरता को देखते हुए इस क्षेत्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए संभावना उतनी नहीं है, क्योंकि मास्को और कैनबरा के बीच भरोसे का रिश्ता भी नहीं है। ध्यान रखना चाहिए कि यूक्रेन पर हमले के कारण रूस वैश्विक आलोचना के केंद्र में है, लेकिन भारत ने उसके साथ पहले जैसे रिश्ते बना रखे हैं। फिर भारत द्वारा ऑस्ट्रेलियाई कृषि उत्पादों के लिए अपना बाजार न खोलने तथा ऑस्ट्रेलिया का भारतीय श्रमिकों के प्रति उदार नीति न अपनाने के कारण भी कुछ बाधाएं बरकरार हैं।

इसके बावजूद शीर्ष स्तर पर दोतरफा रिश्ते मजबूत और संभावनाओं से भरपूर हैं। हाल ही में नरेंद्र मोदी के कैनबरा दौरे पर ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने जहां भारत की आंतरिक स्थिति पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया, वहीं ऑस्ट्रेलिया में हिन्दू मंदिरों पर हुए हमलों के संदर्भ में मोदी ने कहा कि इस बारे में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री से यह भरोसा मिला है कि भारत-विरोधी गतिविधियों से सख्ती से निपटा जाएगा। इन सबसे यह संकेत मिलता है कि आगामी दिनों में दोतरफा संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे।

निमरत कौर ने पूरी की सेक्शन 84

अमिताभ के साथ को प्रकृति की शक्ति बताया

अभिनेत्री निमरत कौर ने अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्म सेक्शन 84 की शूटिंग पूरी कर ली है। शूटिंग खत्म होने पर उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फोटो शेयर करने के साथ ही सेक्शन 84 की टीम के लिए एक इमोशनल नोट भी लिखा है।
मेरी दो सबसे पसंदीदा ध्वनियों – एक्शन और कट के पहले, बीच और बाद में मैंने जो महसूस किया, उसे समझाने के लिए कोई भी शब्द कभी भी पर्याप्त नहीं होगा, आज से ठीक 2 महीने पहले सेक्शन 84 के सेट पर कॉल किया गया था। अपने कैप्शन में, उसने इसकी तुलना एक मनोरम पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर पहुंचने की भावना से की, जिसे कोई कभी समाप्त नहीं करना चाहता। निमरत ने कृतज्ञता, आजीवन सबक, अलगाव की चिंता, और महान अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन साझा करने का अनूठा अनुभव का वर्णन किया, जिसे उन्होंने प्रकृति की शक्ति के रूप में संदर्भित किया। एयरलिफ्ट अभिनेत्री ने आगे स्वीकार किया कि अनुभव के कुछ पहलुओं को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है और अपने दिल में हमेशा के लिए यादों को संजोने का इरादा व्यक्त किया। निम्रत ने निर्देशक रिभु दासगुप्ता के प्रति भी आभार व्यक्त किया कि उन्होंने उन्हें इस चमत्कारिक और रहस्यमय साहसिक कार्य का हिस्सा बनने का अवसर दिया और इसे अपने करियर में एक मील का पत्थर बताया। उन्होंने ज़ोया के चरित्र को सौंपने के लिए रिभु दासगुप्ता को अपना शाश्वत आभार और प्यार व्यक्त किया। उसने यह कहते हुए नोट को समाप्त किया, इस प्रक्रिया को संभव बनाने वाले हर एक व्यक्ति को एक बहुत बड़ा धन्यवाद, सुचारू रूप से, सावधानी से सोचा गया, और कोई फर्क नहीं पड़ता कि सेट के लिए हमेशा एक शांत, खुश, खुशहाल जगह है !!! 41 वर्षीय अभिनेत्री को हाल ही में डिज्नी+ हॉटस्टार सीरीज़ स्कूल ऑफ़ लाइज़ में देखा गया था। सेक्शन 84 के अलावा, उनके पास मैडॉक फिल्म्स की एक फिल्म भी है, जो इस साल शिक्षक दिवस के अवसर पर रिलीज होने वाली है।

सनी लियोनी बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी, जिनकी फिल्म केनेडी ने हाल ही में कान फिल्म फेस्टिवल में धमाल मचाया, बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस शो के 5वें सीजन के दौरान टीवी काउंटरपार्ट में एक कंटेस्टेंट थीं, जहां से उन्होंने अपनी बॉलीवुड जर्नी शुरू की थी। बिग बॉस में अपनी एंट्री को लेकर सनी लियोन ने कहा, बिग बॉस ओटीटी में आना मेरे लिए घर वापसी जैसा होगा। यह मेरे करियर के महत्वपूर्ण मोड़ में से एक है। मैं शो को करीब से देख रही हूं और इसे अगले लेवल पर ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। तो, इंतजार करें और देखें, मौसम बदलने वाला है। बिग बॉस सीजन 5 में आने के बाद, सनी ने कुछ गानों और फिल्मों में काम किया। शो के फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि क्या सनी लियोनी सरप्राइज कंटेस्टेंट के तौर पर शो में एंट्री कर रही हैं या वह सिर्फ बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ को-होस्ट होंगी।

फिल्मों और कॉमेडी शो के साथ कपिल शर्मा ने शुरू किया ये नया काम

कॉमेडी किंग कपिल शर्मा अपनी मजेदार बातों से हर किसी के चेहरे पर मुस्कान ले आते हैं, दर्शक उनके हर अदांज को बेहद पसंद करते हैं। कॉमेडी शो के साथ कपिल शर्मा को फैंस फिल्मों में भी देख चुके हैं, वहीं अब कपिल ने अपना एक और नया काम शुरू कर दिया है। हाल ही में कपिल शर्मा ने अपना पहला व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उन्होने अपने दिन की शुरूआत से लेकर फिल्म सिटी जाने के बारे में बताया है। इर दौरान एक्टर कहते हैं कि मैंने व्लॉग बनाना इसीलिए शुरू किया है क्योंकि खर्चे पूरे नहीं हो रहे हैं।

कॉमेडी के साथ कपिल शर्मा ने शुरू किया ये काम

बता दें कि कपिल शर्मा ने अपने पहले व्लॉग में फिल्म सिटी से लेकर अपने शो तक की झलक शेयर की है। जिसमें वह विक्की कौशल और सारा अली खान के साथ शूटिंग कर रहे हैं। ऐसे में कपिल ने अपने शो द कपिल शर्मा शो के बैक स्टेज वर्क के बारे में भी बताया है। अपने शो का सेट दिखाने के बाद कपिल ने बताया कि विक्की और सारा ने उनके शो की शूटिंग लेट करवा दी थी। कपिल के इस व्लॉग को फैंस भी काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर अपने रिएक्शन दे रहे है। एक यूजर ने लिखा हाहा सुपर्ब पाजी, ऐसे ही व्लॉग हमें और चाहिए। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा कि अक्षय तो यूं ही बदनाम हैं पैसे तो ये बना रहे हैं। एक अन्य यूजर ने लिखा 15 साल की धक्का मुक्की, एक व्लॉग में।

शरमन जोशी के कफस का टीजर हुआ रिलीज

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता शरमन जोशी अपने अभिनय के अलावा अपनी फिल्मों को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरते हैं। इन दिनों अभिनेता अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। शरमन की आगामी वेब सीरीज 'कफस' का टीजर रिलीज हो चुका है। रिलीज होने के बाद से ही अभिनेता की वेब सीरीज का यह टीजर सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा है। वेब सीरीज 'कफस' में शरमन के अलावा मोना सिंह भी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। शरमन स्टारर इस वेब सीरीज का टीजर बेहद अलग तरीके से रिलीज किया गया है। शरमन ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक मिनट का वीडियो पोस्ट करते हुए सभी के होश उड़ा दिए हैं। इस टीजर के लॉन्च होने के बाद फैंस वेब सीरीज के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता शरमन के अलावा इस वेब सीरीज की लीड एक्ट्रेस मोना ने भी अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में अभिनेत्री काफी ज्यादा घबराई नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो को साझा करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, 'मुझे चुप रहने के पैसे दिए गए हैं। मैं आपको कुछ बताना चाहती हूं। पर मुझे माफ कर दीजिए। मैंने चुप रहने के पैसे लिए हैं। बता दें कि टीजर की शुरुआत में मोना काफी डरी हुई नजर आती है। वह किचन में काम करती हैं और उनके चेहरे पर घबराहट साफ तौर पर देखी जा सकती है। इस सीन के खत्म होने के बाद मोना कहती है, 'अब नहीं होगा। अब नहीं होगा सॉरी।' इतना कहने के तुरंत बाद ही मोना अपने मुंह पर टेप लगा लेती हैं। एक मिनट के इस टीजर में फुल सस्पेंस रखा गया है। ऑडियंस भी अब वेब सीरीज को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। शरमन के इस वेब सीरीज के टीजर के बाद अब फैंस इस सस्पेंस फुल वेब सीरीज को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कफस के टीजर को उर्फी जावेद और शहरान गिल समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स ने अपनी स्टोरी में पोस्ट किया है।

साहिर लुधियानवी बनेंगे अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन जहां एक ओर ऐश्वर्या राय बच्चन और बेटी अराध्या के साथ वेकेशन पर रवाना हुए हैं, वहीं संजय लीला भंसाली से साफ शब्दों में कहा है कि महान शायर साहिर लुधियानवी की बोयापिक में वह सिर्फ और सिर्फ अभिषेक बच्चन को ही अपने साहिर के रूप में देखते हैं। बीते करीब तीन साल से यह चर्चा है कि संजय लीला भंसाली हिंदी और उर्दू के महान शायर–गीतकार साहिर लुधियानवी पर बायोपिक बना रहे हैं। इस फिल्म का आइडिया भंसाली के दिमाग में बीते 9 साल से कौंध रहा है। इस बायोपिक में लीड रोल के लिए शाहरुख खान से लेकर दिवंगत इरफान अभिषेक बच्चन और फरहान अख्तर तक का नाम सामने आया। फिर बीते दिनों यह भी खबर आई कि यह फिल्म डिब्बाबंद हो गई है। लेकिन अब संजय लीला भंसाली ने साफ कर दिया है कि इस प्रोजेक्ट को शेल्व नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, अपने परफेक्शन के लिए मशहूर भंसाली ने साफ शब्दों में यह कहा है कि यदि कोई पर्दे पर उनके लिए साहिर लुधियानवी बन सकता है, तो वो सिर्फ अभिषेक बच्चन ही हैं। भंसाली ने बताया है कि वह 2023 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, साहिर पर फिल्म सिर्फ और सिर्फ अभिषेक बच्चन के साथ ही बनेगी, और दूसरा कोई एक्टर नहीं। भंसाली की साहिर लुधियानवी बायोपिक में अमृता प्रीतम के किरदार को लेकर प्रियंका चोपड़ा का नाम सामने आया था। प्रियंका को यह रोल ऑफर भी किया गया, लेकिन बताया जाता है कि एक्ट्रेस ने लीड रोल में अभिषेक बच्चन के अलावा दूसरे किसी एक्टर को कास्ट करने की सलाह दी। लेकिन अब भंसाली की बातों से स्पष्ट है कि हर बार की तरह ही इस बार भी वह अपनी फिल्म की कास्टिंग से कोई समझौता नहीं करने वाले हैं। वैसे, प्रियंका चोपड़ा के अलावा फिल्म में अमृता प्रीतम का किरदार निभाने के लिए करीना कपूर और तापसी पन्नू के नाम की भी चर्चा है। फिल्म की कहानी अमृता प्रीतम और साहिर लुधियानवी के मोहब्बत की दास्तान होगी। उम्मीद यही है कि संजय लीला भंसाली जल्द ही अपनी इस नई बायोपिक फिल्म की कास्ट के बारे में बाकी ऐलान करेंगे। वैसे, संजय लीला भंसाली की आखिरी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी भी बायोपिक थी। इस फिल्म में आलिया भट्ट ने लीड रोल प्ले किया था और यह बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ क्लब में शामिल हुई थी।

मैं शादी करना चाहती हूं : कंगना

एक्ट्रेस कंगना रनौत बॉलीवुड की दमदार एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह 36 साल की हो गई हैं, लेकिन अभी तक एक्ट्रेस ने शादी नहीं की। अब हाल ही धाकड़ गर्ल ने अपनी अपमकिंग फिल्म टीकू वेड्स शेरू के प्रमोशन के बीच अपनी शादी की प्लानिंग के बारे में खुलकर बात की। कंगना रनौत ने कहा, हर चीज का एक समय होता है और अगर वह समय मेरी जिंदगी में आना है तो आएगा। मैं शादी करना चाहती हूं और मेरा अपना परिवार है... लेकिन, यह सही समय पर होगा। कंगना ने बताया कि उन्हें लाइफ पार्टनर की बहुत ज्यादा कमी फील नहीं होती। 100 में से सिर्फ पांच प्रतिशत ही उन्हें कमी महसूस होती है। कंगना ने अपने बचपन के एक किस्से को शेयर करते हुए कहा कि उनकी मां ने बचपन से ही उन पर शादी का प्रेशर डाल रखा था। उनकी मां तो यह तक कह देती थीं कि अगर तुम यह फिल्में और मॉडलिंग वगैरह करोगी तो तुमसे शादी कौन करेगा। लड़का मिलना काफी मुश्किल हो जाएगा। लाइफ पार्टनर को लेकर कंगना ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि वह एक ऐसा लाइफ पार्टनर चाहती हैं, जो उनकी पर्सनालिटी को निखारे, जो उन्हें कमतर महसूस न कराए और उनके आउटस्पोकन अंदाज को और खास बनाए। काम की बात करें तो कंगना रनौत के प्रोडक्शन हाउस में बन रही फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' 23 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। साई कबीर श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

बॉलीवुड में होने वाले भेदभाव से परेशान हैं तापसी?

अभिनेत्री तापसी पन्नू की पहली हिंदी फिल्म साल 2013 में चश्मे बद्दूर आई थी। इस फिल्म के रिलीज के बाद से अभिनेत्री ने अब हिंदी सिनेमा में अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने पिंक, थप्पड़ और मुल्क जैसे फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन किया। बॉलीवुड में एक आउटसाइडर होने के नाते अभिनेत्री ने अब बॉलीवुड शिविरों के बारे में बात की है और बताया है कि वह क्यों उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं रखती हैं। हाल ही में दिए इंटरव्यू में अभिनेत्री ने कहा कि हां, बॉलीवुड शिविर ऐसा कुछ नहीं है, जिसके बारे में लोग नहीं जानते हैं। यह हमेशा से वहां रहा है। यह एक कलाकार के मित्र मंडली, एक निश्चित एजेंसी या समूह के आधार पर हो सकता है कि वे एक हैं। इसका एक हिस्सा और लोगों की वफादारी, इसके आधार पर अलग–अलग होती है। हर किसी को यह अधिकार होना चाहिए कि वह जिसके साथ काम करना चाहते हैं या अपनी फिल्मों को करना चाहते हैं तो वह कर सकते हैं। मैं उन्हें अपने करियर के बारे में सोचने के लिए दोष नहीं दे सकती। बॉलीवुड में अपनी यात्रा को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि मैं कभी भी इस दृष्टिकोण के साथ नहीं आई कि फिल्म उद्योग में सब कुछ उचित होगा। मुझे हमेशा से पता था कि यह पक्षपातपूर्ण होने वाला है तो अब इसके बारे में क्यों शिकायत करें? मेरे लिए खेल का नियम यह है कि यह अनुचित ही होने जा रहा है। माहौल ज्यादातर समय आपके खिलाफ होगा और अगर उसके बाद भी आप अभी भी इस उद्योग का हिस्सा बनने का फैसला करते हैं तो यह आपकी पसंद है और आप इसके बारे में बाद में शिकायत नहीं कर सकते।

अमेरिका में गोलीबारी की घटनाओं में करीब छह लोगों की मौत

पेनसिल्वेनिया । अमेरिका में सप्ताहांत में गोलीबारी की घटनाओं में करीब छह लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोग घायल हो गए। विश्लेषकों का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान से अमेरिका में हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। हिंसा और गोलीबारी की ताजा घटनाएं शिकागो, वाशिंगटन, मध्य पेंसिल्वेनिया, सेंट लुइस, सदर्न कैलिफोर्निया और बाल्टीमोर में हुईं। अधिकारियों ने बताया कि शिकागो में कार्यक्रम के लिए इकट्ठा हुए लोगों पर गोलियां चलाई गईं जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शिकागो के दक्षिण-पश्चिम में लगभग 20 मील की दूरी पर इलिनोइस के विलोब्रुक में एक सभा के दौरान कुछ लोगों ने गोलियां चलाईं। रिपोर्ट में कहा कि हमले का मकसद तत्काल पता नहीं चल सका है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि यह सभा टेक्सास के गैल्वेस्टन में 1865 में लोगों को दासता से मुक्ति मिलने की याद में मनाए जाने वाले 'जुनेतीन्थ' के मौके पर आयोजित की गई थी। उन्होंने कहा,'' हमें गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं और हम बचने के लिए वहीं नीचे बैठ गए।'' गोलीबारी की दूसरी घटना वाशिंगटन में हुई है। कुछ लोग कैंपग्राउंड में संगीत के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इकट्ठा हुए थे तभी अचानक एक व्यक्ति ने अंधाधुंध गोलियां चलाईं। इसमें दो लोग मारे गए और दो घायल हो गए। हमलावर को पकड़ लिया गया है। वहीं पेनसिल्वेनिया में एक पुलिस चौकी पर गोलीबारी की घटना में एक सैनिक मारा गया और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध शनिवार को पूर्वाह्न लगभग 11 बजे अपने ट्रक को लेविस्टाउन बैरक की पार्किंग में ले आया और उसने गश्ती कारों पर राइफल से गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि 45 वर्षीय लेफ्टिनेंट जेम्स वैगनर गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं सैनिक जैक रैगर जूनियर (29) की गोली लगने से मौत हो गई। लेफ्टिनेंट कर्नल जॉर्ज बिवेन्स ने बताया कि भीषण मुठभेड के दौरान 38 वर्षीय संदिग्ध को गोली मार दी गई। गोलीबारी के कारणों के बारे में अभी पता नहीं चल सका है। सेंट लूइस में गोलीबारी में 17 वर्षीय एक युवक मारा गया वहीं सदर्न कैलिफोर्निया में गोलीबारी में आठ लोग घायल हो गए। रिपोर्ट में बताया कि कैलिफोर्निया के कार्सन में आधी रात के बाद अधिकारियों को भेजा गया था। बाल्टीमोर में शुक्रवार रात गोलीबारी की घटना में छह लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने रात नौ बजे से कुछ पहले शहर के उत्तर में गोलियां चलने की आवाजें सुनी और घटनास्थल पर तीन लोगों को घायल अवस्था में पाया। उन्हें इलाज के लिए क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया। गौरतलब है कि हाल के दिनों में देश में लोगों पर गोलियां चलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं।

वेस्ट बैंक में गोली लगने नाबालिग सहित तीन फलस्तीनियों की मौत

यरूशलम । वेस्ट बैंक के जेनिन शहर की सड़कों पर चरमपंथियों के साथ भीषण संघर्ष में इजराइली सैनिकों की गोली लगने से एक नाबालिग सहित तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई और इस दौरान कम से कम 29 लोग घायल हुए हैं। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। वेस्ट बैंक में पिछले एक साल से अधिक समय से लगभग रोजाना हिंसा की घटनाएं सामने आती हैं। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मृतकों की पहचान खालिद असासा (21), कासम अबू सरिया (29) और अहमद सक्र (15) के तौर पर की है। इतना ही नहीं कम से कम चार अन्य लोग गोलीबारी में बुरी तरह जख्मी हुए हैं। इजराइली सेना ने घटना पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। इजराइल के मीडिया ने कहा कि संघर्ष में कई इजराइली सैनिक घायल हो गये। जेनिन के बताए जा रहे कुछ अपुष्ट वीडियो में इस इजराइली सैन्य हेलीकॉप्टर को सेना के अभियान के दौरान रॉकेट छोड़ते हुए देखा जा सकता है।

यूरोप में शरण लेने जा रहे 300 से अधिक पाकिस्तानियों की नाव डूबने से मौत

कराची । नाव डूबने से 300 से अधिक पाकिस्तानियों की मौत होने के समाचार मिले हैं। जानकारी के अनुसार ग्रीस के तट पर एक भरी हुई नाव के पलट जाने से 300 से अधिक पाकिस्तानी नागरिकों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि युद्ध, उत्पीड़न और गरीबी से परेशान ये लोग यूरोप में शरण लेने के इरादे से जा रहे थे। मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान की सीनेट के अध्यक्ष मुहम्मद सादिक संजरानी ने एक बयान में मृतकों की संख्या का खुलासा किया। हालांकि ग्रीक अधिकारियों ने अभी तक पाकिस्तान के मरने वालों की संख्या की पुष्टि नहीं की है। गौरतलब है कि पाकिस्तान दशकों में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बेहतर भविष्य की तलाश में खतरनाक रास्तों से यूरोप जाने वाले पाकिस्तानियों का मामला पूरे देश में गूंज रहा है। इधर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नाव डूबने से मरने वालों के लिए सोमवार को राष्ट्रीय शोक घोषित किया। एक ट्वीट में उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। शरीफ ने लिखा, मैं देश को विश्वास दिलाता हूं कि अपने कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने वालों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। जांच के बाद जिम्मेदारी तय की जाएगी और कार्रवाई की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी (आईओएम) ने कहा कि पिछले सप्ताह नाव पलटने के दौरान करीब 750 पुरुष, महिलाएं और बच्चे इसमें सवार थे। हादसे में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। यह भूमध्य सागर में सबसे खराब त्रासदी में से एक थी।

आदिपुरुष का विवाद पहुंचा नेपाल, काठमांडू में हिंदी फिल्मों का प्रदर्शन बंद

काठमांडू । फिल्म 'आदिपुरुष का विवाद अब नेपाल में भी पहुंच गया है, जहां सीता के चित्रण को लेकर लोग विरोध कर रहे हैं। फिल्म में आपत्तिजनक शब्दों और सीता के चित्रण को लेकर नेपाल में बवाल मचा हुआ है। नजीतन सोमवार को नेपाल की राजधानी काठमांडू में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया गया। शहर के एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह घोषणा की थी। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों पर प्रतिबंध लगाये जाने संबंधी फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 'आदिपुरुष फिल्म के एक संवाद को हटाये बिना प्रदर्शित करने से अपूरणीय क्षति होगी। मेयर शाह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कहा कि सोमवार, 19 जून से काठमांडू महानगरीय क्षेत्र में सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन पर रोक लगा दी जाएगी, क्योंकि फिल्म 'आदिपुरुष के संवाद में आपत्तिजनक शब्द अभी तक नहीं हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने तीन दिन पहले फिल्म से 'सीता माता भारत की बेटी हैं वाले संवाद के आपत्तिजनक हिस्से को तीन दिन के भीतर हटाने के लिए पहले ही नोटिस जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि फिल्म के प्रदर्शन की अनुमति दी जाती है तो हमारी राष्ट्रीयता, सांस्कृतिक एकता को अपूरणीय क्षति होगी। इसके बावजूद मेयर शाह राजधानी शहर के सभी 17 सिनेमाघरों में वर्तमान में दिखाई जा रही सभी हिंदी फिल्मों के प्रदर्शन को रोकने के लिए भी प्रतिबद्ध दिखे। फिल्म के प्रदर्शन को लेकर केएमसी के प्रवक्ता नवीन मनंधर ने कहा कि केएमसी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार काठमांडू के सभी सिनेमाघर सोमवार से भारतीय फिल्मों का प्रदर्शन बंद कर देंगे। हम पहले ही काठमांडू में सिनेमाघर मालिकों से सहयोग के लिए बात कर चुके हैं और वे सोमवार से काठमांडू के सिनेमाघरों में स्वेच्छा से हिंदी फिल्मों की स्क्रीनिंग बंद करने पर सहमत हो गए हैं। सिनेमाघर सोमवार से हिंदी फिल्में दिखाने के बजाय नेपाली फिल्में दिखा सकते हैं। गौरतलब है कि आदिपुरुष शुक्रवार को पूरे भारत में हिंदी के साथ तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और तमिल भाषाओं में भी रिलीज हुई है।

नशे में धुत होकर फ्लाइट में क्रू मैंबर्स से बदतमीजी करने वाला गिरफ्तार

दुबई । फ्लाइट में क्रू मेंबर्स से बदतमीजी करने वाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार अबू धाबी से उड़ान भरने के बाद विमान में शोर मचाने के आरोप में केरल के 51 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि जिजान जैकब नाम के एक व्यक्ति को आज सुबह कोच्चि जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान से कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। विमान के चालक दल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उस व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया, ऐसा संदेह है कि व्यक्ति शराब के नशे में था। वह कुछ सह-यात्रियों और चालक दल के सदस्यों से छोटी-छोटी बातों को लेकर उलझ रहा था।

बाली ऑर्टस समारोह में अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए कलाकार।

ग्रीस नाव त्रासदी में एक्शन में शाहबाज सरकार, मानव तस्करों का पता लगाने में जुटी

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ग्रीस नाव त्रासदी के पीछे मानव तस्करों का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच की घोषणा की, जिसके कारण भूमध्य सागर में सैकड़ों नागरिकों की मौत हो गई। अब तक पाकिस्तान में कई स्थानों से मानव तस्करी के लिए जिम्मेदार कम से कम 10 उप-एजेंटों को गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, कम से कम 400 पाकिस्तानी, 200 मिस्र और 150 सीरियाई, जिनमें लगभग दो दर्जन सीरियाई महिलाएं और छोटे बच्चे शामिल हैं, ट्रॉलर पर यात्रा कर रहे थे। हालाँकि, ग्रीस प्रशासन या पाकिस्तान की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी कि लापता 500 प्रवासी मृत हैं या अभी भी जीवित हैं। कई मीडिया ने बताया कि इस्लामाबाद के नागरिक ने सभी के मारे जाने की बात कही हैं। नौका हादसे में सैकड़ों लोगों के लापता होने से देश शोक में है। जैसा कि घटना ने कंगाल राष्ट्र में नागरिकों की विकट स्थिति को उजागर किया, पीएम शरीफ ने तस्करी की जांच के लिए एक समिति का गठन किया, क्योंकि उन्होंने नाव त्रासदी के कारण शोक की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा, कल, राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और मृतकों के लिए विशेष प्रार्थना की जाएगी। चार सदस्यीय समिति एक सप्ताह में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। हताहतों की संख्या का पता लगाया जा रहा है। जांच समिति नाव त्रासदी के तथ्यों का पता लगाएगी और प्रवर्तन तंत्र में खामियों की पहचान करेगी जिसने पाकिस्तानियों को इस विशेष मामले में मानव तस्करी की सनक से अवगत कराया। रविवार को गिरफ्तार किए गए लोगों में प्रमुख मानव तस्कर चौधरी जुल्करनैन, तलत कियानी, खालिद मिर्जा और साजिद महमूद के सब-एजेंट या एजेंट शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने तस्करों के नाम और उनकी कार्यप्रणाली सहित चौंकाने वाले खुलासे किए।

मोदी, मस्जिद और मुस्लिम देश, मिस्र का दौरा क्यों है विशेष?

शेख जायद, इस्तिकलाल के बाद अब अल-हकीम मस्जिद की बारी

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। 2015 में अबू धाबी में शेख जायद ग्रैंड मस्जिद और 2018 में इंडोनेशिया की भव्य इस्तिकलाल मस्जिद के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सप्ताह मिस्र की अपनी पहली यात्रा के दौरान ओल्ड काहिरा में ऐतिहासिक अल-हकीम मस्जिद का दौरा करेंगे। लगभग 1,000 साल पुरानी अल-हकीम मस्जिद को दाऊदी बोहरा समुदाय की मदद से छह साल में बहाल किया गया है और हाल ही में इसे फिर से खोल दिया गया। सरकारी अधिकारियों ने पीएम मोदी द्वारा इस तरह की मस्जिद यात्राओं को महत्वपूर्ण बताया और पीएम को इस्लामिक राष्ट्रों की धार्मिक मान्यताओं के बारे में जानकारी थी।

यूएई में पीएम ने शेख जायद ग्रैंड मस्जिद का किया था दौरा

पीएम ने 2015 में यूएई का दौरा किया था और शेख जायद मस्जिद गए थे, जो दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी मस्जिद है। संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष नेतृत्व के हवाईअड्डे पर उनकी अगवानी करने के बाद पीएम मोदी ने शेख जायद मस्जिद विजिट किया था। 2018 में पीएम ने रमजान के पवित्र महीने में इंडोनेशिया में इस्तिकलाल मस्जिद का दौरा किया था। यह इंडोनेशिया की राष्ट्रीय मस्जिद और दक्षिण-पूर्व एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद है।

मस्जिद यात्रा के दौरान मोदी के साथ इंडोनेशियाई राष्ट्रपति भी थे।

मिस्र यात्रा के दौरान अल-हकीम मस्जिद जाएंगे पीएम मोदी

छठे फातिमिद खलीफा के नाम पर बनी मस्जिद काहिरा के मध्य में स्थित है और इस साल की शुरुआत में खुलने से पहले 2017 से इसका जीर्णोद्धार और जीर्णोद्धार किया गया है। दाऊदी बोहरा समुदाय, जिसके भारत के साथ मजबूत संबंध हैं, ने मस्जिद के जीर्णोद्धार के लिए सह-वित्त पोषित किया है। उम्मीद है कि अल-हकीम मस्जिद की यात्रा के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी पीएम मोदी के साथ होंगे। भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में 'मुख्य अतिथि' के रूप में शामिल होने के बाद एल-सिसी के निमंत्रण पर 24-25 जून तक अरब गणराज्य मिस्र में पीएम मोदी की दो दिवसीय राजकीय यात्रा का हिस्सा है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकेन ने बातचीत के रास्ते खुले रखने पर दिया जोर

-चीन के शीर्ष राजनयिक के साथ बैठक के दौरान अनेक मुददों पर हुई चर्चा

बीजिंग (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दोनों देशों के बीच बातचीत के रास्ते खुले रखने पर जोर दिया है। ब्लिंकन चीन की अपनी यात्रा के दूसरे व अंतिम दिन की शुरुआत एक शीर्ष राजनयिक के साथ बैठक से की और दिन में उनकी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात करने की संभावना है। फिलहाल विदेश मंत्री ब्लिंकन चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी के साथ बैठक कर रहे हैं। वह स्वदेश लौटने से पहले राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात भी कर सकते हैं। बैठक में ब्लिंकन और वांग दोनों ने एक दूसरे का अभिवादन किया और बातचीत के लिए बैठे ,लेकिन उन्होंने पत्रकारों से कोई बात नहीं की। बढ़ते द्विपक्षीय तनाव को कम करने के मिशन पर बीजिंग पहुंचे ब्लिंकन ने रविवार को करीब छह घंटे तक चीन के अपने समकक्ष छिन कांग के साथ व्यापक बातचीत की थी। बैठक में दोनों पक्ष उच्च स्तरीय बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए। हालांकि ऐसे कोई संकेत नहीं मिले कि दोनों देशों के बीच जिन मुद्दों को लेकर विवाद है उनके समाधान की दिशा में कोई प्रगति हुई है। दोनों पक्षों ने कहा कि छिन ने ब्लिंकन के वाशिंगटन आने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है।

चीन ने स्पष्ट किया कि चीन-अमेरिका के बीच संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर हैं। अमेरिकी अधिकारी भी कई बार ये बात कह चुके हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ब्लिंकन ने गलत धारणा बनने और स्थिति को गलत आंकने के खतरे को कम करने के लिए कूटनीति के महत्व और मुद्दों पर बातचीत के रास्ते खुले रखने पर जोर दिया। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार ग्रहण करने के बाद से ब्लिंकन चीन की यात्रा करने वाले सर्वोच्च स्तर के पहले अमेरिकी अधिकारी हैं। वह पिछले पांच वर्षों में बीजिंग की यात्रा करने वाले पहले अमेरिकी विदेश मंत्री हैं। चीन की राजधानी में ब्लिंकन की उपस्थिति के बावजूद दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच मौजूद जटिल मुद्दों पर कोई भी महत्वपूर्ण सफलता मिलने की उम्मीद कम ही है।

इमरान खान पर फिर लटकी गिरफ्तारी की तलवार? बहन और जीजा भी फंसे

- 625 एकड़ भूमि फर्जी तरीके से औने-पौने दाम पर खरीदने का मामला

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 5,000 कनाल (625 एकड़) भूमि फर्जी तरीके से औने-पौने दाम पर खरीदने से जुड़े एक मामले में भ्रष्टाचार रोधी संस्था (एसीई) के समक्ष पेश होने को कहा गया है। एसीई के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के लैय्या जिले में भ्रष्टाचार के एक मामले में इमरान खान, उनकी बहन उज्मा खान और उनके पति अहद मजीद को समन जारी किया गया है। एक अंग्रेजी अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख इमरान खान (70) को 19 जून को एसीई मुख्यालय में, जबकि उज्मा और उनके पति को एसीई महानिदेशक के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। प्रवक्ता ने दावा किया कि एसीई के पास, लैय्या भ्रष्टाचार मामले में इमरान खान की संलिप्तता के स्पष्ट साक्ष्य हैं। उन्होंने कहा कि बानी गाला के राजस्व अधिकारियों पर अवैध भूमि हस्तांतरित करने के लिए दबाव डाला गया। इस्लामाबाद में इसी स्थान पर इमरान खान का आवास है। उज्मा पर जिले में 5,261 कनाल भूमि खरीद में कथित फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। इस भूमि का बाजार मूल्य करीब छह अरब डॉलर है, जबकि यह महज 13 करोड़ पाकिस्तानी रुपए में खरीदी गई।

एसीई ने कहा कि प्राथमिकी दंपती के खिलाफ दर्ज की गई है। प्रवक्ता के मुताबिकि भूमि फर्जी तरीके से 2021-22 में खरीदी गई और उज्मा और मजीद ने अपने नाम पर भूमि का फर्जी हस्तांतरण किया। यह भूमि उस वक्त खरीदी गई, जब एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने ग्रेटर थाल कनाल परियोजना के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की थी। उज्मा को परियोजना के बारे में पहले से जानकारी थी और दंपती ने भूस्वामी को अपनी जमीन उन्हें बेचने के लिए मजबूर किया। भूस्वामियों ने उनकी भूमि जबरन खरीदने के लिए उज्मा और अन्य के खिलाफ शिकायतें दायर की थीं।

यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को हथियार नहीं भेजेगा चीन, अमेरिका से ड्रैगन ने किया वादा

कीव (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को बीजिंग में कहा कि चीन ने यूक्रेन में लड़ने के लिए रूस को हथियार नहीं भेजने का वादा फिर से किया है, हालांकि उन्होंने निजी चीनी फर्मों के कार्यों पर चिंता व्यक्त की। ब्लिंकेन ने दो दिनों की बातचीत के बाद संवाददाताओं से कहा कि हमें और अन्य देशों को चीन से आश्वासन मिला है कि वह यूक्रेन में इस्तेमाल के लिए रूस को घातक सहायता नहीं देगा। हमने ऐसा कोई सबूत नहीं देखा है जो इसका खंडन करता हो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हालांकि, हमारे पास जो चिंताएं हैं, वे चीनी फर्मे कंपनियां हैं जो ऐसी तकनीक प्रदान कर सकती हैं जिसका उपयोग रूस यूक्रेन में अपनी आक्रामकता को आगे बढ़ाने के लिए कर सकता है।

हमने चीनी सरकार से इस बारे में बहुत सतर्क रहने को कहा है। ब्लिंकन ने कहा कि चीन ने हाल के सप्ताहों में रूस पर आश्वासन दिया था और विशेष रूप से उनकी यात्रा के दौरान नहीं। संयुक्त राज्य अमेरिका ने सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाया है कि चीन रूस को हथियार समर्थन देने पर विचार कर रहा है। चीन ने हाल ही में यूक्रेन पर अपनी कूटनीति को आगे बढ़ाया है, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा संदिग्ध रूप से देखा

गया एक कदम है जो मानता है कि रूस अपने क्षेत्रीय लाभ को वैध बनाने के लिए राजनयिक रास्ते तलाश रहा है।

यूके की सेना के पास न मिसाइल, न पनडुब्बी, कैसे होगा रूस से सामना

लंदन (एजेंसी)। हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि यूके की सेना के पास न तो मिसाइल हैं, न ही पनडुब्बी हैं, फिर रूस की सेना से मुकाबला कैसे होगा। इसी वजह से यूके के पीएम की चिंताएं बढ़ने लगी हैं। यूके की संसद में आई एक रिपोर्ट ने प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को परेशान कर दिया है। इस रिपोर्ट ने ब्रिटिश सेनाओं की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट में सेनाओं की ताकत का मूल्यांकन किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन और रूस आमने सामने हैं। इसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि ब्रिटेन के पास टियर-1 सशस्त्र बल या रूस और चीन जैसे देशों के खिलाफ देश की रक्षा के लिए जरूरी मारक क्षमता का अभाव है। इसमें लिखी गई बातें काफी गंभीर हैं और विशेषज्ञों के मुताबिक सुनक को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूके की सेनाएं पूरी तरह से खोखली हैं। क्योंकि आधुनिकीकरण कार्यक्रम के नाम पर जो फंड दिया गया, वह इसके लिए का कम था। इसने ब्रिटिश बलों की क्षमता में कमियों को सामने लाकर रख दिया है। इसके मुताबिक सेनाओं के पास ऐसे उपकरण हैं जो काफी पुराने पड़ चुके हैं। साथ ही उनके पास जरूरी वायु और मिसाइल रक्षा क्षमताओं की कमी, अपर्याप्त गोला-बारूद, क्लोज सपोर्ट यूनिट्स का अभाव और साथ ही एयर ट्रांसपोर्टेशन की भी भारी कमी है।

इधर हाउस ऑफ कॉमन्स की रक्षा समिति की इस रिपोर्ट को आंखें खोल देने वाला सच करार दिया जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नाटो के कई देश इस बात से वाकिफ हैं कि उनके पास बड़े स्तर पर रूस के बराबर रक्षा उत्पादन जैसी क्षमता नहीं है।

अंटार्कटिका की बर्फ 2030 के दशक में पिघलकर पूरी तरह हो जाएगी खत्म

-कार्बन उत्सर्जन रोकने की कोशिशों भी नहीं आएगी काम

लंदन (एजेंसी)। वैज्ञानिकों के अनुसार अंटार्कटिका महासागर में बनी बर्फ की परत 2030 के दशक में पिघलकर पूरी तरह खत?म हो जाएगी। उनका कहना है कि हर साल सितंबर में अंटार्कटिका में बर्फ की परत की मोटाई सबसे कम होती है। शोधकर्ताओं ने आशंका जताई है कि अगले दशक में ही ऐसा सितंबर आएगा, जब आर्कटिक में बर्फ पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने अनुमान जताया था कि 2040 के दशक में अंटार्कटिका महासागर पर बनी बर्फ की परत पिघलकर पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। अब वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है कि तेजी से घट रही ये बर्फ की परत पिछले अनुमानों से 10 साल पहले ही यानी 2030 के दशक में ही पूरी तरह खत्म हो जाएगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये सब कार्बन उत्सर्जन को घटाने की कोशिशों के बाद भी ऐसा होगा1

वैज्ञानिकों ने सैटेलाइट्स से लगातार 40 साल तक जुटाए गए डाटा के विश्लेषण से उत्तरी ध्रुव के आसपास के इलाके में समुद्र पर जमी बर्फ की परत में आ रही गिरावट का अध्ययन किया है। अध्ययन में पता चला है कि अब हालात ऐसे हो गए हैं, जब कार्बन उत्सर्जन में जबरदस्त कमी करने के बाद भी 2030 से 2050 के बीच किसी सितंबर महीने में अंटार्कटिका में बर्फ गायब हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि सितंबर में अंटार्कटिका में बर्फ की परत की मोटाई सबसे कम होती है। यह रिपोर्ट दक्षिण कोरिया की पोहांग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के मिन सेऊंग के नेतृत्व में प्रकाशित हुई है। शोधकर्ताओं ने 1979 से 2019 के बीच आर्कटिक में बर्फ की मोटाई के हर महीने के आंकड़ों का अध्ययन किया है। इसके बाद आंकड़ों की तुलना कंप्यूटर सिम्युलेशन से करके भविष्य का अनुमान लगाया गया है। संयुक्त राष्ट्र की पर्यावरण पर काम करने वाली समिति आईपीसीसी ने हाल में जारी रिपोर्ट में 2021-23 के लिए नतीजे बताए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि इस सदी के मध्य से पहले अंटार्कटिका में किसी सितंबर में बर्फ खत्म नहीं होगी

हालांकि, इसमें कहा गया था कि बर्फ का खत्म होना ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की मात्रा पर निर्भर होगा। अब पोहांग यूनिवर्सिटी के अध्ययन की रिपोर्ट में कहा गया है कि अब ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कितना भी कम कर लिया जाए, लेकिन पिछले अनुमान से दस साल पहले ही आर्कटिक में बर्फ खत्म हो जाएगी। शोध में कहा गया है कि मानव समाज के पारिस्थितिकी तंत्र पर इसका बड़ा असर देखने को मिलेगा।

निशानेबाजी रैंकिंग में नंबर एक पर रही मनीषा

भोपाल । यहां भारतीय निशानेबाजी टीम के लिए हुए ट्रायल में शहर की मनीषा कीर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नंबर एक स्थान हासिल किया है। निशानेबाजी ट्रायल में मनीषा फाइनल में 43 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रही पर ओवरऑल रैंकिग में उसे शीर्ष स्थान मिला। मनीषा ने इसी साल चीन में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी प्रवेश हासिल कर लिया है। मनीषा ने अब तक छह स्वर्ण चार रजत और दो कांस्य सहित 12 पदक राष्ट्रीय स्तर पर जीते हैं। मनीषा के अलावा प्रीत रजक और राजेश्वरी ने भी एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई किया। ट्रायल मुकाबले मप्र निशानेबाजी अकादमी की नई रेंज में हुए ये मुकाबले 11 जून से 18 जून तक चले।

कोहली की नेटवर्थ 1000 करोड़ से उपर पहुंची

सोशल मीडिया, ब्रांड एंडोर्समेंट से हर साल कमाते हैं करोड़ों रुपये

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली मैदान के अंदर जिस प्रकार बल्लेबाजी में अपना दबदबा बनाये रखते हुए। वहीं हाल उनका मैदान के बाहर भी है। इससे उनकी संपत्ति कई गुना बढ़ रही है। वह सबसे धनी क्रिकेटरों में से एक हैं। कोहली की नेटवर्थ 1000 करोड़ रुपये से ऊपर निकल गयी है। उन्हें क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई अनुबंध में एक प्लस वर्ग में शामिल किया गया है। ऐसे में उन्हें सालाना 7 करोड़ रुपए मिलते हैं। इसके अलावा वह ब्रांड एंडोर्समेंट से भी हर साल करोड़ों रुपये कमाते हैं। कई कंपनियों में निवेश भी उन्हें भारी रिटर्न मिल रहा है। विराट जितनी कमाई क्रिकेट से करते हैं, उससे 4 गुना ज्यादा कमाई विज्ञापन, ब्रांड एंडोर्समेंट और स्टार्टअप्स से वह कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार विराट को एक टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के 6 लाख और टी 20 के मैच के लिए 3 लाख रुपए मिलते हैं। आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स (आरसीबी) उन्हें हर साल 15 करोड़ रुपए का भुगतान करती है। एक कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार विराट की वर्तमान नेटवर्थ 1050 करोड़ रुपये हो गयी है।

विराट कोहली ने कई कंपनियों में निवेश किया है। इनमें ब्लूट्राइब, यूनिवर्सल स्पोर्ट्सबिज, एमपीएल और स्पोर्ट्स कॉन्वो शामिल हैं। इससे भी उन्हें भारी लाभ होता है। इसके साथ ही ब्रांड्स प्रमोशन से भी उन्हें जमकर पैसा मिल रहा है। वह एक विश्रापन के लिए हार

साल 7.50 से 10 करोड़ रुपए लेते हैं। इस प्रकार ब्रांड एंडोर्समेंट से ही उन्हें हर साल करीब 175 करोड़ रुपए कमाई मिलते हैं। वह सोशल मीडिया से भी मोट कमाई कर रहे हैं। वह फुटबॉल क्लब एफसी गोवा के साथ ही एक कुश्ती और टेनिस टीम के भी मालिक हैं।

उनके सोशल मीडिया पर भी काफी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। विराट के इंस्टाग्राम पर 252 और ट्विटर पर 56.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। इंस्टाग्राम पर विराट एक पोस्ट से ही 8.9 करोड़ रुपए कमाते हैं। वहीं ट्विटर पर एक पोस्ट के लिए वह 2.5 करोड़ रुपए लेते हैं। उनके पास कई आलीशान बंगले और फ्लेटस के साथ ही लक्जरी कारें भी हैं।

संक्षिप्त समाचार

दीक्षा अपने करियर का दूसरा खिताब जीत नहीं पायी

ब्रेंडनबर्ग । भारत की शीर्ष महिला गोल्फर दीक्षा डागर जर्मन मास्टर्स में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहीं पर वह लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) पर अपने करियर का दूसरा खिताब हासिल नहीं कर पायी। दीक्षा ने एलईटी पर पिछले चार टूर्नामेंटों में तीसरी बार शीर्ष 10 में स्थान बनाया है। यह जर्मन मास्टर्स में उनका अब तक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। गत वर्ष लाकोस्टे ओपन डि फ्रांस टूर्नामेंट भी भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। दीक्षा अंतिम दौर में आठ होल के बाद एक समय 14 अंडर के स्कोर के साथ ही शीर्ष पर भी थी पर नौवें, 10वें और 11वें होल में बोगी के साथ ही वह खिताबी दौड़ में पीछे हो गयीं। वहीं चेक गणराज्य की क्रिस्टीना नेपोलियोवा ने कुल स्कोर 14 अंडर के साथ ही पहले प्ले ऑफ होल में बर्डी के साथ ही इंग्लैंड की कारा गेनर को पीछे छोड़कर खिताब जीता।

वेंकटेश प्रसाद बोले, अब रणजी को बेकार समझा जाने लगा है

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने स्पिनर जलज सक्सेना को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी 28 जून से शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी के लिए दक्षिण क्षेत्र की टीम में शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त की है। जलज ने भारत ए और मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के साथ ही गत रणजी ट्रॉफी सत्र में केरल की ओर से 50 विकेट लिए थे। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने ट्वीट किया, 'भारतीय क्रिकेट में कई अजीब चीजें हो रही हैं। रणजी ट्रॉफी में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज को दक्षिण क्षेत्र की टीम के लिए भी जगह नहीं मिलती है जो एक हैरानी और दुख की बात है। इससे यह पता चलता है कि रणजी ट्रॉफी को बेकार का टूर्नामेंट मानने लगे हैं। ये शर्मनाक स्थिति है। जलज ने अपने लंबे घरेलू करियर में 133 प्रथम श्रेणी मैच, 104 लिस्ट ए और 66 टी20 मैच खेले हैं। इससे पहले इस क्रिकेटर ने भी ट्वीट कर अपना चयन नहीं होने पर तंज कसा था और कहा था कि भारत में रणजी ट्रॉफी (एलीट ग्रुप) में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को दलीप ट्रॉफी के लिए क्यों नहीं शामिल किया गया। इसके कारण कोई बता सकता है।

भारत ने लेबनान को हराकर दूसरी बार जीता इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल

भुवनेश्वर ।

भारत ने यहां खेले गये इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल के खिताबी मुकाबले में लेबनान को 2-0 से हराकर दूसरी बार यह खिताब जीता है। कलिंगा स्टेडियम पर हुए इस खिताबी मुकाबले में भारतीय टीम की ओर से सुनील छेत्री ने 46 वें मिनट और लल्रियंजुआला छांगटे ने 66 वें मिनट में गोल दागे। अहम बात ये रही कि चार देशों के टूर्नामेंट में भारतीय टीम को एक भी गोल नहीं खाना पड़ा। इससे पहले हुए लीग चरण में भी भारत और लेबनान के बीच खेले गये मुकाबले में कोई गोल नहीं हुआ था। इस बार फाइनल के पहले हाफ में भी दोनों में से कोई टीम गोल नहीं कर पायीपहले हाफ में कोई टीम गोल नहीं कर पायी। भारतीय टीम ने दूसरा हाफ शुरू होते ही एक गोल दाग दिया। छेत्री के इसी के साथ ही अब 87 गोल हो गये हैं। इसके बाद लल्रियंजुआला ने एक बेहतरीन पास पर गेंद पर नेट में पहुंचाकर भारत का स्कोर 2-0 कर दिया। मैच के आखिरी 10 मिनटों में लेबनान के कप्तान ने कई प्रयास किये पर उन्हें सफलता नहीं मिली।

एशियाई खेलों के लिए विनेश, बजरंग और गीता सहित अन्य पहलवानों ने जमकर अभ्यास किया

नई दिल्ली ।

पहलवान बजरंग पूनिया के अलावा महिला पहलवान विनेश फोगाफ और गीता फोगाट के अलावा अन्य पहलवान भी अब भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरना प्रदर्शन छोड़कर एशियाई खेलों की तैयारी में लग गये हैं। इसी के तहत ही इन पहलवानों ने एशियाई खेलों के ट्रायल्स के लिए अपने कई साथियों के साथ भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में जमकर अभ्यास भी किया। विनेश ने 9 जून को अभ्यास के लिए इस केंद्र का दौरा किया था जबकि गीता भी ट्रायल के लिए मैट पर उतरी। गीता दो साल के बाद एक बार फिर प्रतिस्पर्धी कुश्ती में वापसी कर रही है। उनके साथ उनके पति पवन सरोहा भी अभ्यास से जुड़ गये हैं। वहीं गीता की छोटी बहन संगीता भी अपने पति बजरंग पुनिया के साथ इस केंद्र में हैं। विरोध प्रदर्शन करने वाले पहलवान लंबे समय से मैट से दूर थे। इसलिए ये पहलवान अब जिम में अधिक समय तक रह रहे हैं। संगीता इस दौरान 'स्ट्रेंथ बिल्डिंग पर भी काम कर रही हैं। एक अधिकारी ने कहा, ''विनेश 9 जून को ही इस परिसर में आ गई थी जबकि गीता भी नियमित रूप से आ रही हैं। अब परिसर में सामान्य स्थिति बहाल हो गयी है। बजरंग और उनके जोड़ीदार जितेंद्र किन्हा ने पहले ही साइ के बहालगढ़ केंद्र में अभ्यास शुरू कर दिया है, जहां पुरुषों की फ्रीस्टाइल और ग्रीको रोमन पहलवानों के लिए राष्ट्रीय शिविर का आयोजन होता है।

कोच की डांट से हमारी आंखें खुलीं और इसी कारण जीत मिली : छेत्री

भुवनेश्वर ।

राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने कहा है कि मुख्य कोच इगोर स्टिमक से हाफ टाइम के दौरान मिली डांट से ही वह बेहतर प्रदर्शन करने में सफल हुए और टीम को इंटरकॉन्टिनेंटल कप में जीत मिली। भारत इस मैच में पहले हाफ में लेबनान की रक्षापंक्ति को भेद नहीं पा रहा था पर दूसरे हाफ में छेत्री के 87वें अंतरराष्ट्रीय गोल के अलावा लालियानजुआला छांगटे के गोल की सहायता से उसने फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। छेत्री ने कहा, ''हाफ टाइम के समय कोच ने जो फटकार लगाई थी उससे हमारी आंखें खुल गयीं। हम पिछले मैच के अपने प्रदर्शन के आसपास भी इस मैच में नहीं खेले। इसलिए हमें कोच से सख्त रुख की जरूरत थी। इस फटकार के बाद हमें पता था कि हमारे पास क्षमता है और इसलिए हमें कम अंतर से मिली जीत पर किसी प्रकार का कोई पछतावा नहीं है। हम जीत से खुश हैं। छेत्री इस टूर्नामेंट में भारत के प्रदर्शन से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा, ''हम इंटरकॉन्टिनेंटल कप को पिछली बार जीत नहीं सके थे लेकिन यह जीत अच्छी थी। यह आसान नहीं था, लेकिन हम बहुत खुश हैं, विशेष रुप से इसलिए क्योंकि इस टूर्नामेंट में हमारे खिलाफ कोई गोल नहीं हुआ। मुख्य कोच स्टिमक ने भी कहा कि वह लेबनान के खिलाफ शुरुआती 45 मिनट में अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश नहीं थे।

पटनायक ने इंटरकॉन्टिनेंटल कप विजेता भारतीय टीम को एक करोड़ का पुरस्कार देने की घोषणा की

भुवनेश्वर ।

उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा है कि इंटरकॉन्टिनेंटल कप फुटबॉल खिताब विजेता भारतीय टीम को एक करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। कप्तान सुनील छेत्री के अलावा लालियानजुआला छांगटे के गोल की सहायता से भारतीय टीम ने फाइनल में लेबनान को 2-0 से हराकर यह खिताब जीता था। इस दौरान छेत्री ने 87वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया था। पटनायक ने इसके समापन समारोह के दौरान कहा, 'प्रतिष्ठित इंटरकॉन्टिनेंटल कप की मेजबानी यहां करना हमारे लिए बेहद गौरव की बात है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच हासिल इस जीत के लिए भारतीय टीम को बधाइयां। हमारा लक्ष्य आने वाले समय में राज्य में और अधिक फुटबॉल प्रतियोगिताओं की मेजबानी का रहेगा। जिससे राज्य ओर देश में खेल आगे बढ़ सकें। वहीं अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए उड़ीसा सरकार के प्रति आभार जताया। चौबे ने कहा, ''हम इंटरकॉन्टिनेंटल कप के लिए इससे बेहतर स्थल और अंत की उम्मीद नहीं कर सकते थे। इसके बेहतर आयोजन के लिए मैं राज्य सरकार की सराहना करता हूं।

चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नहीं खेलना चाहता पाक

आईसीसी से बदलाव करने को कहा

लाहौर ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के दौरान हार के डर से कुछ स्थानों पर नहीं खेलना चाहती है। इसमें चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तय मैच है। विश्व कप कार्यक्रम की घोषणा करने से पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने प्रस्तावित यात्रा कार्यक्रम पर सुझाव के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) सहित सदस्य बोर्डों से पूछा तो उन्होंने चेन्नई और बेंगलुरु जैसे स्थलों को बदलने को कहा।

पीसीबी के अनुसार बोर्ड के डेटा एनालिटिक्स और टीम रणनीति विशेषज्ञों को उन स्थानों को मंजूरी देने का काम दिया गया है जहां आईसीसी और बीसीसीआई ने 50 ओवर के मुकाबलों इवेंट के लिए पाकिस्तान के मैचों को अस्थायी रूप से तय किया है। पीबीसी के अनुसार उनकी टीम चेन्नई में अफगानिस्तान और बेंगलुरु में ऑस्ट्रेलिया से नहीं खेलना चाहती है। माना जा रहा है कि पाक इसलिए डर रही है क्योंकि स्पिन के अनुकूल चेन्नई में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान और नूर अहमद हावी हो सकते हैं। वहीं बेंगलुरू में परिस्थितियां आमतौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल होती हैं ऐसे में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने पर हार का डर है। पीसीबी सूत्र ने कहा कि चयनकर्ता, जो टीम प्रबंधन का भी हिस्सा हैं, ने बोर्ड को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के लिए चेन्नई को स्थल के रूप में स्वीकार नहीं करने की सलाह दी है क्योंकि यह ऐसा स्थान था जो स्पिनरों का सहायक रहा है। ऐसे में कहा गया है कि आईसीसी पाक के मैचों के कार्यक्रम में बदलाव करे।

वहीं बीसीसीआई के अनुसार आईसीसी सदस्यों से यात्रा कार्यक्रम के बारे में सुझाव मांग रहा है और यह प्रोटोकॉल का हिस्सा है पर स्थलों को बदलने के लिए एक मजबूत कारण होना चाहिए। उन्होंने कहा, एक सदस्य बोर्ड सुरक्षा कारणों से स्थल परिवर्तन के लिए जोर दे सकता है पर यदि आप मैदान पर अपनी टीम की ताकत और कमजोरियों के अनुसार किसी स्थान पर नहीं खेलना चाहते तो ऐसा करना संभव नहीं है। ऐसे में सभी टीमों के मांग के अनुसार चलने पर कार्यक्रम बनाना तक कठिन हो जाएगा।

विश्व कप के लिए भारत का दौरा न करे पाक : मियांदाद

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद ने एक बार फिर भारत के खिलाफ जहर उगला है। मियांदाद ने कहा है कि जब तक भारतीय टीम पाक नहीं आती हमें भी विश्वकप के लिए भारत का दौरा नहीं करना चाहिये। एकदिवसीय विश्वकप इस साल के अंत में भारत में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम इसमें अपने मुकाबले तटस्थ स्थल पर खेलेगी। मियांदाद के अनुसार 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाली विश्व कप के लिए पाकिस्तानी टीम को भारत नहीं जाना चाहिए। मियांदाद ने कहा, मैं सबसे पहले मना कर दूं और जब तक भारतीय टीम हमारे पास नहीं आए हमें भी वहां नहीं जाना चाहिए। भारत को पाकिस्तान में आकर खेलना है। पहले यही होता था, एक साल वो आते थे, एक साल हम पर अगर वे अब नहीं आ रहे तो हमें भी नहीं जाना चाहिये। मियांदाद ने अपनी टीम की तरीफ करते हुए कहा कि हम उनसे कहीं बेहतर हैं। हमारी क्रिकेट उनसे बहुत ऊंची है और जबरदस्त है। हमें दौरा न करने पर चिन्ता नहीं करनी चाहिये। अगर वे नहीं आते तो हमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। गौरतलब है कि भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2008 में एशिया कप के लिए पाक का दौरा किया था। तब से ही दोनों देशों के बीच लंबे जारी तनाव के कारण द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज बंद है। मियांदाद के अनुसार खेल को राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। मैं हमेशा कहता हूं कि कोई अपने पड़ोसियों को नहीं चुन सकता है, इसलिए एक दूसरे के साथ सहयोग करके जीना ही बेहतर है और मैंने हमेशा कहा है कि क्रिकेट एक ऐसा खेल है जो लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है जिससे आपस में संबंध बेहतर हो सकते हैं।

एशिया कप से मिली रकाम नहीं लेता बीसीसीआई : चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप के लिए गतिरोध समाप्त होने पर खुशी जताते हुए कहा कि अब हमें एक अच्छा टूर्नामेंट देखने को मिलेगा। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला श्रीलंका में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने एशिया कप सबसे ज्यादा सात बार जीता है और उसका इरादा एक बार फिर इसे जीतना रहेगा। चोपड़ा ने कहा है कि 7 एशिया कप से मिली रकम बीसीसीआई अपने पास नहीं रखता। चोपड़ा ने कहा कि जब से एशिया कप चल रहा है। इसके राजस्व से प्राप्त राशि का एक भी पैसा बीसीसीआई ने नहीं लिया और उसे एशियाई क्रिकेट परिषद के पास ही छोड़ दिया ताकि जिसे देश में क्रिकेट ढ़ाचा कमजोर है उसे बेहतर बनाया जा सके। आकाश ने साथ ही कहा, बीसीसीआई एक भी रूपया नहीं लेता है क्योंकि उन्हें कम पैसे की जरुरत नहीं है। उनके पास पहले से बहुत पैसा है पर बाकि देश क्रिकेट के विकास के लिए ऐसा त्याग नहीं करते हैं। बाकि सभी सदस्य देश अपना हिस्सा ले लेते हैं। गौरतब है कि बीसीसीआई विश्व का सबसे धनी क्रिकेट बोर्ड है। पिछले कई सालों से बीसीसीआई ने भारत में क्रिकेट के विकास के लिए काफी विस्तार किया है।

उद्धव ने सत्ता के लिए बाल ठाकरे की विचारधारा को त्यागा : सीएम शिंदे

मुंबई, 19 जून (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने सोमवार को कहा कि उद्धव ठाकरे ने राकांपा और कांग्रेस से हाथ मिलाने की बाल ठाकरे की विचारधारा को त्याग दिया।

शिवसेना के 57वें स्थापना दिवस के मौके पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) धड़े के प्रमुख उद्धव पर तीखा हमला बोला और कहा कि मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए बाल ठाकरे की विचारधारा से समझौता किया गया।

उन्होंने कहा, 'आपने कुर्सी के लिए सत्ता के लिए बालसाहेब के सिद्धांतों को त्याग दिया। बालासाहेब ने एक बार कहा था कि वह शिवसेना को कांग्रेस नहीं बनने देंगे और अगर ऐसा होता है तो वह अपनी दुकान बंद कर देंगे। लेकिन आज आप (उद्धव) राकांपा और कांग्रेस के साथ चले गए। यह आपकी तरफ से धोखा है।

उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के पूर्ण सत्र के दौरान उद्धव द्वारा दिए गए भाषण का जिक्र करते हुए कहा कल आपने वह सच बोला था। शिंदे ने कहा कि आपने अपने भाषण में पार्टी कार्यकर्ताओं से 20 जून को गद्दार दिवस के रूप में मनाने को कहा।

उन्होंने कहा, 'जब आपने कहा कि 'हमारे' विश्वासघात का एक साल पूरा हो रहा है तो आपने गलती की। लेकिन आपने तुरंत खुद को ठीक किया और उन नेताओं को दोषी ठहराया जिन्होंने पिछले साल पार्टी छोड़ दी थी। यह आप हैं जो तारीख भूल गए।'

शिंदे ने कहा कि उनके और अन्य विधायकों के खिलाफ लगाए गए गद्दार होने के आरोप उद्धव को जनता की सहानुभूति हासिल करने में मदद नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, आपको लोगों की सहानुभूति नहीं मिलेगी क्योंकि आपने सत्ता के लिए बालसाहेब के सिद्धांतों को छोड़ दिया है।

शिवसेना में विभाजन और पिछले साल अपनी सरकार गिरने के बाद शिंदे द्वारा संबोधित किया गया यह पहला स्थापना दिवस कार्यक्रम था। बाल ठाकरे ने 19 जून, 1966 को शिवसेना की स्थापना की और 'मराठी मानुष' (मुंबई में मराठी भाषी) के गौरव को अपनी राजनीति का मुख्य मुद्दा बनाया था।

शिंदे और पार्टी के 39 अन्य विधायकों ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के खिलाफ बगावत कर दी थी और शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस की महा विकास अघाड़ी गठबंधन सरकार को गिरा दिया था। दोनों गुट अब अगले साल के लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के साथ-साथ मुंबई में लंबे समय से होने वाले निकाय चुनावों से पहले बाल ठाकरे की विरासत के 'सच्चे उत्तराधिकारी' के पद पर दावा करने की कोशिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, आज हम यहां शिवसेना स्थापना दिवस मनाने के लिए एकत्र हुए हैं। मैं समर्थन के लिए आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूं। हमने पिछले साल एक क्रांति शुरू की थी। एक साल पहले हमने जो किया था, उसे करने के लिए टाइगर की हिम्मत चाहिए। सीएम बनने के बाद मैं नहीं बदला हूं। उन्होंने (उद्धव ठाकरे) कहा कि 20 जून को वे 'गद्दार दिवस' मनाएंगे लेकिन वे बालासाहेब की विचारधारा के 'गद्दार' हैं।

उन्होंने महा विकास अघाड़ी सरकार बनाने के लिए कांग्रेस और राकांपा के साथ गठबंधन किया। जिन लोगों ने मतदाताओं को धोखा दिया है, उन्हें सहानुभूति नहीं मिलेगी। हमने धनुष-बाण और शिवसेना के नाम को बचाया। हमारी सरकार लोगों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

जो देश भारत के पीएम को वीजा नहीं देते थे, वो अब मोदी को सलाम ठोंकते हैं : बिप्लब देब

दादरी, 19 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस के लंबे शासनकाल पर भाजपा का 9 साल का कार्यकाल भारी पड़ा है। इस समय अवधि में देश की शाख अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ी है। पहले जो देश हमारे पीएम को वीजा तक नहीं देते थे, वो आज नरेंद्र मोदी को सलाम ठोंकते हैं। ये बात चरखी दादरी में आयोजित गौरवशाली भारत रैली में त्रिपुरा के पूर्व सीएम एवं भाजपा के प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब ने कही। उन्होंने कहा कि भाजपा हर स्तर पर मजबूत है, फिर चाहे दमदार नेताओं की बात करें या फिर बेदाग छवि की।

बिप्लब देब ने कहा कि 2024 में भाजपा को फिर से हरियाणा में सभी 10 लोकसभा सीटें जीतानी हैं और दादरी-भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह को फिर से जीताना है। उन्होंने कहा कि धर्मबीर के नाम में धर्म है जबकि उनका पहनावा भी धार्मिक है। रैली को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि दादरी ने 36 साल तक मुझे आशीर्वाद दिया है।

हुड्डा राज में किसानों को ढाई रुपये के मुआवजा चेक भेजे जाते थे जबकि अब ऐसा नहीं है। उन्होंने हरियाणवी लहजे में कहा कि अगर 152-डी बनन तै स्वाद आया हो तो मोदी के नाम की ताली बजा द्यो। उन्होंने कहा कि मोदी रन बना रहे हैं। ऐसे में सूबे व देश की जनता को उन्हें एक और पारी खेलने का मौका देना चाहिए। पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि उदयभान को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त हुए आठ माह हो चुके हैं, लेकिन कांग्रेस अब तक प्रदेश कार्यकारिणी तक नहीं बना पाई है। इसके विपरित भाजपा पहले त्रिदेव, फिर शक्ति केंद्र प्रमुख और अब पन्ना प्रमुख भी घोषित कर चुकी है।

ओपी धनखड़ ने नाम लिए बिना पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि पहले पिता-पुत्र ने अशोक तंवर का और फिर कुमारी शैलजा का वर्चस्व खत्म किया। अब उदयभान का भी जल्द ही पहले जैसा हाल कर देंगे।

दादरी में आयोजित रैली में कृषि मंत्री जेपी दलाल, मंत्री डॉ. बनवारी लाल, विधायक धनश्याम सराफ, विधायक डॉ. अभय सिंह, सामाजिक अधिकारिता मंत्री ओपी यादव, सीताराम यादव, पूर्व विधायक सुखविंद्र मांढ़ी, पूर्व विधायक शशि परमार, दादरी जिला प्रभारी कमल यादव, बबीता फौगाट, दादरी जिला अध्यक्ष सतेंद्र परमार, भिवानी जिलाअध्यक्ष शंकर धुपड़ आदि मौजूद रहे।

सेक्युलर पार्टियां सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बीजेपी को हराने के लिए साथ आईं : डी राजा

रांची, 19 जून (एजेन्सी)। भाकपा नेता डी राजा का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा को हराने के लिए सभी सेक्युलर पार्टियां एक साथ आई हैं। अपने दो दिन के झारखंड दौरे पर राजा ने कहा कि देश की हालत गंभीर और परेशान करने वाली है। लोकतंत्र के खातिर भाजपा को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि समान विचारधारा वाली पार्टियों ने भाजपा को हराने के लिए एक साथ आना होगा। यह सत्ता पाने के लिए नहीं, बल्कि देश के संविधान, लोकतंत्र और उसके भविष्य को बचाने के लिए है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के साथ आने के बाद उनका नेता कौन होगा? इस पर बाद में चर्चा की जाएगी। नेता किसी को भी चुना जाए, हमें कोई आपत्ति नहीं होगी। सभी दल चर्चा करने के बाद ही निर्णय लेंगे। यूनाइटेड फ्रंट के गठन के समय हमने इसका अनुभव किया था और जीत के बाद नेता के नाम पर सवाल उठे थे। हालांकि, एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत चर्चा की गई। कोई दिक्कत नहीं हुई थी। सब कुछ ठीक चल रहा था।

राजा ने बताया कि वह 23 जून को पटना में होने वाली विपक्षी पार्टियों की मीटिंग में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मीटिंग में कई राज्यों के मुख्यमंत्री और शीर्ष नेता शामिल होने वाले हैं। यह मीटिंग बिहार के सीएम और जनता दल (यूनाइटेड) के नेता नीतीश कुमार ने बुलाई है।

राजा ने आरएसएस पर आरोप लगाया कि संघ भाजपा के सहारे अपना एजेंडा आगे बढ़ा रहा है। इस वजह से देश में दलितों, अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जब से सत्ता में आई है, तब से आरएसएस बहुत ज्यादा आक्रमक हो गई है। वह भाजपा पर अपने एजेंडे को मानने के लिए दबाव बनाती है। दलितों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के ऊपर बढ़ रहे हिंसा का यही कारण है। इसके अलावा सार्वजनिक क्षेत्रों का निजीकरण किया जा रहा है। राजा ने कहा कि विपक्ष को संसद के पिछले सत्र में अदाणी का मुद्दा उठाने नहीं दिया गया। यह लांकतंत्र के लिए ठीक नहीं था।

उन्होंने मणिपुर हिंसा के लिए भी भाजपा को ही जिम्मेदार ठहराया। तीन मई से जारी मणिपुर हिंसा पर चुख्रपी बनाए रखने के लिए राजा ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। सीपीआई के वरिष्ठ नेता ने पहलवानों के मुद्दे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि देश का नाम रोशन करने वाले पहलवानों का क्या हाल हो रहा है, लेकिन मोदी ने उनके लिए एक शब्द नहीं बोले। भाजपा सरकार सुशासन देने में असफल रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा झारखंड, दिल्ली और तमिलनाडु में गैर भाजपा सरकारों को परेशान करने के लिए सभी हथकंडे अपना रही है। उन्होंने कहा कि इन राज्यों के सरकारों को भाजपा डराने की कोशिश कर रही है। उन्हें ऐसा लगता है कि ऐसा कर वह नागरिकों को ठग सकते हैं लेकिन जनता समझती है कि मोदी सरकार ने देश के लिए क्या किया है।

नवीन पटनायक फासीवाद का ले रहे पक्ष, बीजद अनौपचारिक रूप से बीजेपी के साथ : सांसद ब्रायन

नई दिल्ली, 19 जून (एजेन्सी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से संपर्क मुश्किल होने का संकेत देते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने सोमवार को कहा कि बीजू जनता दल (बीजद) अनौपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ है।

एक तरफ भाजपा और दूसरी तरफ विपक्षी दलों के साथ संतुलन बनाने के लिए जाने जाने वाले पटनायक ने 27 मई को नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लिया था और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन समारोह में भी शामिल नहीं हुए थे।

हालांकि, जब विपक्षी दलों ने उद्घाटन समारोह से पूरी तरह से दूरी बनाई, तो बीजद प्रमुख ने उद्घाटन समारोह में पार्टी के 21 सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजा और इस तरह गैर-भाजपा दलों द्वारा कार्यक्रम के बहिष्कार के फैसले से खुद को भी दूर रखा।

राज्यसभा में तृणमूल के नेता ओ ब्रायन ने कहा, दो लोग हैं जो फासीवाद का पक्ष ले रहे हैं और उनमें से एक नवीन पटनायक हैं जो अनौपचारिक रूप से भाजपा के साथ हैं। वह आरएसएस को खुश करने के लिए काम कर रहे हैं। वह मणिपुर में खतरनाक स्थिति या वहां 250 चर्चों को जलाने के बारे में नहीं बोलेंगे।

विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेता पटनायक को अपने खेमे में शामिल करने के लिए प्रयास कर रहे हैं। इस कवायद में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पिछले दिनों ओडिशा में पटनायक से मुलाकात की थी।

माना जाता है कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख नीतीश कुमार ने पटनायक से मुलाकात की थी ताकि वे इस क्षेत्र के चार राज्यों- बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा को पूर्वी समूह के हिस्से के रूप में उनसे विपक्षी पंक्ति में शामिल होने का आग्रह किया जा सके। इन चार राज्यों में लोकसभा की 117 सीटें हैं। हालांकि, 2008 में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से बाहर हो चुके पटनायक ने संकेत दिया है कि उनकी पार्टी विपक्षी तीसरे मोर्चे का हिस्सा नहीं होगी।

गौरतलब है कि अगले साल होने वाले आम चुनाव की रणनीति बनाने के लिए विपक्षी नेता 23 जून को पटना में बैठक कर रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि सभी विपक्षी नेताओं ने तीन व्यापक बातों पर सहमति जताई है। इनमें अगली बैठक की तारीख, स्थान और संबंधित पार्टी प्रमुखों की उपस्थिति शामिल है।

'आदिपुरुष' पर अखिलेश ने उठाए सवाल, पूछा- क्या सेंसर बोर्ड 'धृतराष्ट्र' बन गया

लखनऊ, 19 जून (एजेन्सी)। 'आदिपुरुष' फिल्म को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि एजेंडे वाली मनमानी फिल्में बनाने वालों को सेंसर बोर्ड का प्रमाणपत्र देने से पहले, उनके राजनीतिक-चरित्र का प्रमाणपत्र देखना चाहिए।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को ट्वीट के माध्यम से लिखा कि जो राजनीतिक आकाओं के पैसों से, एजेंडे वाली मनमानी फिल्में बनाकर लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनकी फिल्मों को सेंसरबोर्ड का प्रमाणपत्र देने से पहले, उनके राजनीतिक-चरित्र का प्रमाणपत्र देखना चाहिए। क्या सेंसर बोर्ड धृतराष्ट्र बन गया है?

ज्ञात हो कि अभिनेता प्रभास और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'आदिपुरुष' अब डायलॉग्स को लेकर विवाद में है। फिल्म को बैन करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। इसे हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने लगाया है। इसमें फिल्म के कई सीन, डायलॉग्स और किरदारों को हटाने की मांग की गई है।

विष्णु गुप्ता ने याचिका में कहा, फिल्म में हमारे आराध्य देवताओं का गलत तरीके से चित्रण किया गया है, जो कि आपत्तिजनक है। इसलिए ऐसी फिल्म की स्क्रीनिंग पर रोक लगनी चाहिए। ओम राउत की निर्देशित और भूषण कुमार की निर्मित 'आदिपुरुष' में प्रभास ने राघव (राम), कृति सेनन ने जानकी (सीता), सैफ अली खान ने लंकेश (रावण) और सनी सिंह ने लक्ष्मण का किरदार निभाया है।

एक अन्य ट्वीट में अखिलेश ने कहा कि लोन लेकर जान-बूझकर बैंकों को धोखा देने वालों के लिए भाजपा सरकार कारपेट बिछाकर, बैंकों से इन फरेबियों से समझौता करवा रही है। किसान के कर्ज या आम जनता की बीमारी, पढ़ाई या घर के कर्ज की वसूली के लिए तो सरकार बैंकों से क्या-क्या उत्पीड़न करवाती है, तो फिर धोखेबाजों पर कृपा क्यों?

चिंता मत करना चुनाव के बाद भी हम ही आ रहे हैं, आत्मविश्वास से बोल रहा हूं : सीएम शिवराज

भोपाल, 19 जून (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश एमएसएमई समिट 2023 का आयोजन सोमवार को भोपाल में किया गया। इसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम नई नई योजनाएं आपके लिए लेकर आ रहे हैं। प्रदेश में खुलकर निवेश कीजिए। यह मत सोचिए कि तीन से चार महीने में चुनाव आ रहे हैं। चिंता मत करना चुनाव के बाद भी हम ही आ रहे हैं। यह मैं आत्मविश्वास के साथ बोल रहा हूं। उन्होंने समिट में उद्यमियों से सार्थक चर्चा करने के लिए कहा। सीएम ने कहा कि मैं आपको वचन देता हूं कि जो आपके साथ-साथ उद्योग और प्रदेश के लिए बेहतर होगा। वह सब कुछ मैं करूंगा।

शिवराज ने कहा कि यह उलटी चीज है कि जो सम्मेलन बुलाई उसी का स्वागत किया जाएगा। मुख्यमंत्री का स्वागत, एमएसएमई मंत्री का स्वागत। हम तो मेजबान हैं। मेहमान आप हैं। मैं आप सभी का मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वागत करता हूं। जो काम लघु, सूक्ष्म उद्योग एमएसएमई कर सकते हैं वो बड़े उद्योग भी नहीं कर सकते। बड़े को लाने का प्रयास करते रहेंगे, लेकिन छोटो को किसी कीमत पर नहीं छोड़ेंगे। उनकी अपनी उपयोगिता है। लेकिन एमएसएमई को देखें तो इंवेस्टमेंट 50 करोड़ का, लेकिन रोजगार एक हजार देते हैं। यह रोजगार जनित है। स्थानीय परिस्थितियां, स्थानीय कच्चा उत्पादन और स्थानीय संस्थानों पर भी आधारित होते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लघु उद्योगों और कुटीर उद्योगों की महत्ता को स्वीकार करते है।

सीएम ने कहा कि आर्थिक विकास के शुभ संयोग मध्य प्रदेश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग यह हमारा समिट का ध्येय वाक्य है।

मध्य प्रदेश का परिदृश्य आपके सामने रखना चाहता हूं। अब हम बीमारू राज्य नहीं है। हम विकासशील से तेजी से विकसित राज्य के पाथ में जा रहे है। मैं आकड़ों के साथ आपको बता रहा हूं। मध्य प्रदेश की जीएसटी का साइज, प्रति व्यक्ति इनकम और बजट तेजी से बढ़ा। हमने तय किया है कि जिस सरकार सब्सिडी देना है उसी साल देंगे। हमारा बजट 3 लाख 14 हजार करोड़ रुपए है। इसलिए हमने लाडली बहना का योजना दे दिया। हम तेजी से कैसे बढ़े। इसमें कोई कोर कसर नहीं छोड़ना है।

हमारा मध्य प्रदेश पहले टूटी फूटी सड़कों के लिए जाना जाता था। गड्डों में सड़क, सड़क में गड्डा। हमने चारों तरफ सड़कों का जाल बिछा दिया है। चार लाख किमी सड़कें बना दी है। और अब हम एक्सप्रेस वे बना रहे हैं। अटल एक्सप्रेस वे, भिंड एक्सप्रेस वे, नर्मदा एक्सप्रेस वे। सीधे अमरकंटक से लेकर गुजरात तक नर्मदा नदी के किनारे किनारे। इन एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनेगा। उद्योगों के अनुकूल वातारण बनाया जाएगा।

शिवराज ने कहा कि मप्र एकमात्र राज्य है, जिसने लगातार 10 साल से कृषि विकास दर 18 प्रतिशत बना के रखी है। हम सड़कों के दबाव को भी कम करने की कल्पना पर विचार कर रहे हैं। उज्जैन रेलवे स्टेशन पर कोई उतरेगा तो रोप वे कार महाकाल कॉरिडोर पर उतार देगी। भोपाल में भी बड़े तालाब के ऊपर से सीधे एयरपोर्ट पर उतर जाएं। ऐसे अनेक विचार हैं।

मध्य प्रदेश में एक के बाद एक उद्योग चले आ रहे हैं। रजिस्टर्ड एमएसएमई की संख्या 3 लाख 54 हजार 397 है। 18 लाख रोजगार सर्जन करने की क्षमता है। हमने एमएसएमई का कल्स्टर मॉडल तैयार किया है।

उन्होंने कहा कि इंदौर में 35 मंजिला पार्क बना रहे हैं, जहां 20 हजार लोगों को एक साथ काम मिलेगा। भोपाल में हम ग्लोबल स्किल पार्क बना रहे हैं। प्रारंभ में छह हजार और बाद में 10 हजार बच्चों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें दक्ष करेंगे। शाम तक चलने वाले समिट में छह विषयों पर उद्यमी और विषय विशेषज्ञ चर्चा करेंगे।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
बर्धमान निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

बर्धमान, पश्चिम बंगाल के श्री सूरज एसके ने **09.04.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **88B 33445** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''जीवन में केवल कुछ रुपए खर्च करने के द्वारा ही एक करोड़पति बन जाना काफी भाग्य की बात है। काफी सारे करोड़पति तैयार करने के लिए डियर लॉटरी की प्रशंसा करते हुए उसे धन्यवाद देना चाहिए। डियर लॉटरी एक तरफ करोड़पति बनाने एवं दूसरी तरफ काफी सारे रोजगार के अवसर तैयार करने का साधन बन गई है।'' विजेता ने कहा। डियर लॉटरी के ड्रॉ लाइव दिखाए जाते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com